राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 268
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शुक्रवार 22 अगस्त 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ड्रोन और लेजर प्रतिबंध
पेज 4 20 वर्षों की तपिश के बाद मोहल्ला पूरनमल में टोटी में बहा पानी
पेज 6 रोहित शर्मा क्रिकेट के मैदान पर वापसी को बेकरार

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली सीएम पर हमले के बाद पुलिस कमिश्नर हटाए गए

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर उनके आवास पर एक जनसभा के दौरान हमले के एक दिन बाद, गुरुवार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर एसबीके सिंह को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया। उनकी जगह 1992 बैच के आईपीएस अफसर सतीश गोलचा को नियुक्त किया गया है। गोलचा 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान स्पेशल पुलिस कमिश्नर थे और पिछले साल अप्रैल में उन्हें डायरेक्टर जनरल (जेल) नियुक्त किया गया था। वहीं, एसबीके सिंह होमगार्ड्स के डायरेक्टर जनरल हैं। उन्हें दिल्ली कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। उन्होंने 1 अगस्त को ही कार्यभार संभाला था।

मेघालय में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर कर्फ्यू

मेघायल के ईस्ट खासी हिल्स जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास 1 किलोमीटर के दायरे में कर्फ्यू लगाया गया है। प्रशासन ने 8 अगस्त को हथियारबंद लोगों की घुसपैठ की घटना के बाद यह फैसला लिया है। डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट आर एम कुर्बाह ने इसको लेकर आदेश जारी किया है। इसके अनुसार, नोटिफाई जोन में रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक लोगों की आवाजाही प्रतिबंधित है। कर्फ्यू अगले 2 महीने तक लागू रहेगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने, पांच या उससे अधिक लोगों की भीड़ इकट्ठा करने, हथियार या किसी भी तरह के हथियार जैसी चीजें ले जाने पर रोक होगी।

हैप्पी मॉर्निंग

मालिक ने आलसी नौकर से कहा- मच्छर मार दो थोड़ी देर बाद भी मच्छर गुनगुना रहे थे मालिक ने फिर नौकर से कहा- मच्छर मारे नहीं क्या? नौकर ने मालिक से कहा- मच्छर तो मार दिये ये तो उनकी विधवा पत्नियों के रोने की आवाज है.......

शायरी

हवाओं, बादलों में न जाने क्या
साजिशाना बात हुई,
मेरा ही घर मिट्टी का था, वहीं
सारी बरसात हुई।।

अर्थसार

संसेक्स:
82,000.71
+142.87 (0.17%)
निफ्टी:
25,083.75
+33.20

मौसम

अधिकतम : 32 डिग्री से0
न्यूनतम : 27 डिग्री से0
सूर्योदय शनिवार : 5 : 58
सूर्यास्त शुक्रवार : 7 : 09

जीएसटी में 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वाले स्लैब खत्म होंगे

5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत स्लैब को GoM की मंजूरी, इससे रोजाना इस्तेमाल की चीजें सस्ती होंगी

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल के मंत्रियों के समूह ने जीएसटी के 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत के स्लैब को खत्म करने की मंजूरी दे दी है। अब जीएसटी के सिर्फ दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत ही होंगे। लग्जरी आइटम्स 40 प्रतिशत के दायरे में आएंगे। ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स के संयोजक सम्राट चौधरी ने इसकी जानकारी दी। अभी जीएसटी के 4 स्लैब 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत, और 28 प्रतिशत होते हैं। GoM की बैठक पर इसके संयोजक सम्राट चौधरी ने कहा- हमने केंद्र सरकार के प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत के जीएसटी स्लैब को खत्म करने की बात है।

सभी ने केंद्र के प्रस्तावों पर अपने सुझाव दिए। कुछ राज्यों ने कुछ आपत्तियां भी जताईं। इसे जीएसटी काउंसिल के पास भेजा गया है जो इस पर फैसला लेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से कहा था कि इस साल दिवाली में बड़ा तोहफा मिलने वाला

है। हम नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स लेकर आ रहे हैं। सामान्य लोगों के लिए टैक्स कम कर देंगे, रोजमर्रा की चीजें सस्ती हो जाएगी, लोगों को बहुत फायदा होगा।

ये सामान सस्ते होंगे : इन पर टैक्स 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत होगा

एक्सपर्ट के मुताबिक सूखे मेवे, ब्रांडेड नमकीन, टूथ पाउडर, टूथपेस्ट, साबुन, हेयर ऑयल, सामान्य एंटीबायोटिक्स, पेनकिलर दवाएं, प्रोसेस्ड फूड, स्नैक्स, फ्रोजन सब्जियां, कंडेंस्ड मिल्क, कुछ मोबाइल, कुछ कंप्यूटर, सिलाई मशीन, प्रेशर कुकर, गीजर जैसी चीजें सस्ती होंगी। इनके अलावा बिना बिजली वाले पानी के फिल्टर, इलेक्ट्रिक आयरन, वैक्यूम क्लीनर, 1000 रुपए से ज्यादा के रेडीमेड कपड़े, 500-1000 रुपए की रेंज वाले जूते, ज्यादातर वैक्सीन, एचआईवी/टीबी डायग्नोस्टिक किट, साइकिल, बर्तन पर भी कम टैक्स लगेगा। ज्योमेट्री बॉक्स, नक्शे, ग्लोब, ग्लेज्ड टाइल्स, प्री-फैब्रिकेटेड बिल्डिंग, वेंडिंग मशीन, पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाहन, कृषि मशीनरी, सोलर वॉटर हीटर जैसे प्रोडक्ट भी 12त्न के टैक्स स्लैब में आते हैं। दो स्लैब की मंजूरी के बाद इन पर 5 प्रतिशत टैक्स लगेगा।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच होगा

नई दिल्ली। 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होगा। भारत सरकार ने गुरुवार को इसकी अनुमति दे दी है। सरकार ने कहा- मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में पाकिस्तान से खेलने पर रोक नहीं है। दोनों देशों में द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी ।खेल मंत्रालय के अधिकारी ने एक लेटर साझा किया, यह भारत सरकार की नई स्पोर्ट्स पॉलिसी है, जिसे गुरुवार को ही जारी किया गया है। नई खेल नीति में भारत सरकार ने

यह तो स्पष्ट किया है कि हम पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को मल्टीनेशन इवेंट्स के लिए भारत आने से नहीं रोकेंगे, लेकिन यह नहीं बताया कि भारत ऐसे इवेंट्स में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाएगा या नहीं।

नामांकन

इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी नई दिल्ली में अपना नामांकन दाखिल करते हुए।

तृणमूल कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले में बड़ा फैसला

कोलकाता। बीरभूम में तृणमूल कांग्रेस के दो कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले में रामपुरहाट महकमा अदालत ने गुरुवार को कांग्रेस व माकपा के 12 कार्यकर्ताओं को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही प्रत्येक पर दो-दो लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है, जिसका भुगतान नहीं करने पर छह महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। रामपुरहाट महकमा अदालत के फास्ट ट्रैक कोर्ट के अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायाधीश संदीप कुमार कुडु ने यह फैसला सुनाया।

संसद का मानसून सत्र खत्म

कुल 21 बैठकें, ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे चर्चा

▸ बीच सत्र में धनखड़ का इस्तीफा, बिहार एसआईआर पर हंगामा

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र आज (21 अगस्त) को समाप्त हुआ। यह सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ था। पूरे सत्र में कुल 21 बैठकें हुईं। लोकसभा में 120 घंटे चर्चा का समय निर्धारित था सिर्फ 37 घंटे ही चर्चा हो सकी। वहीं राज्यसभा में 41 घंटे चर्चा हुई।

इस दौरान लोकसभा में 12 बिल और राज्यसभा में 15 बिल पास हुए। सबसे चर्चित बिल गिरफ्तार पीएम-सीएम और मंत्रियों को हटाने वाला संविधान संशोधन बिल रहा। इसे जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव पारित हुआ।

सत्र की शुरुआत राज्यसभा के उपसभापति जगदीप धनखड़ के बीच सत्र में इस्तीफे के साथ हुई। पूरे सत्र के दौरान विपक्ष ने बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा और विरोध प्रदर्शन किया, जिससे कार्यवाही नहीं हो सकी।

28 और 29 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा हुई जिसका समापन पीएम मोदी के जवाब के साथ हुआ। 18 अगस्त को देश के सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों पर विशेष चर्चा शुरू हुई लेकिन बेनतीजा रही। लोकसभा में 419 प्रश्न एजेंडे में रखे गए थे लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण सिर्फ 55 प्रश्नों का ही उत्तर दिया जा सका। वहीं, राज्यसभा में 285 प्रश्न एजेंडे में रखे गए लेकिन 14 प्रश्न का जवाब दिया जा सके।

राज्यसभा में जगदीप धनखड़ का उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा

जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। बीच सत्र में इस्तीफा देने वाले धनखड़ पहले उपराष्ट्रपति हैं।

विपक्ष का पहले से आखिरी दिन तक बिहार एसआईआर पर हंगामा

मानसून सत्र के दूसरे दिन 22 जुलाई को लोकसभा और राज्यसभा विपक्ष ने बिहार एसआईआर को लेकर हंगामा किया। सांसदों ने सदन के अंदर और बाहर विरोध किया। ये विरोध प्रदर्शन पूरे सत्र के दौरान जारी रहा जिससे दोनों सदन में पूरे दिन की कार्यवाही नहीं हो सकी।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग

कैश कांड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ 12 अगस्त को लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दी। स्पीकर ने कहा, मुझे रविशंकर प्रसाद और विपक्ष के नेता समेत कुल 146 सदस्यों के हस्ताक्षर से प्रस्ताव मिला है। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने की मांग है। स्पीकर ने जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी का ऐलान किया।

ऑनलाइन गेमिंग बिल राज्यसभा में भी पास

लोकसभा में 120 घंटे की जगह 37 घंटे ही चर्चा हो सकी; 12 बिल पास हुए

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का कल आखिरी दिन था। सत्र की शुरुआत 21 जुलाई से हुई थी। दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को छोड़कर इस सत्र में बहुत कम कामकाज हुआ है। एक महीने लंबे सत्र के दौरान लोकसभा ने 12 और राज्यसभा ने 15 विधेयक पास किए, लेकिन बार-बार व्यवधान, स्थगन

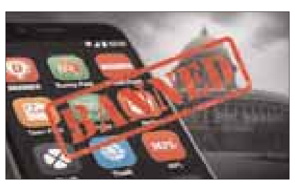

और बायकॉट जारी रहा। आखिरी दिन की कार्यवाही के दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि सदन में 120 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया गया था सिर्फ 37 घंटे ही चर्चा हो सकी। इसके साथ लोकसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। उधर, राज्यसभा में अमित शाह ने 3 बिल जेपीसी में भेजे जाने के लिए रखे। अश्विनी वैष्णव ने ऑनलाइन गेमिंग बिल चर्चा के लिए रखा।

रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड, बद्रीनाथ-गंगोत्री हाईवे बंद

ताजमहल तक पहुंची यमुना, पोरबंदर में घर डूबे; हिमाचल में अब तक 145 मौतें

नई दिल्ली। देश के पश्चिमी हिस्से महाराष्ट्र और गुजरात में बारिश के कारण जन-जीवन प्रभावित हुआ है। दोनों राज्यों में आज रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश में यमुना के कारण कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। यमुना का पानी ताजमहल तक पहुंच गया है। 40 गांव अलर्ट पर हैं। मथुरा में यमुना नदी कटान के बाद अपना मूल रास्ता छोड़कर 2 किमी दूर बह रही हैं। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड के कारण बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया है। गंगोत्री हाईवे धरासू पुराना थाना और सोनागढ़ के पास ब्लॉक है। यमुनात्री हाईवे भी नारदचट्टी के पास बंद है। कुथनौर में ट्रैफिक शुरू हो गया है। बाकी जगहों पर मलबा हटाने का काम जारी है।

इधर, गुजरात के तटीय जिलों में बुधवार को भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए। जूनागढ़ जिले में 12 घंटों में 331द्वद्व बारिश हुई। एनडीआरएफ ने पोरबंदर जिले के एक स्कूल में फंसे 46 बच्चों और 4 टीचर्स को बचाया।

वहीं, महाराष्ट्र में तेज बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बुधवार को राज्य के कुछ इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बीते दिन मुंबई में 107.4 मीमी बारिश हुई। ठाणे जिले में पानी से भरी खदान में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक बारिश से जुड़े हादसों में 145 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में बारिश के कारण हुए हादसों में 2281 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

गुजरात के जूनागढ़ में भारी बारिश, कई गांव बाढ़ की चपेट में

गुजरात के जूनागढ़ में बुधवार से हो रही मूसलाधार बारिश से मधुवंती नदी में बाढ़ आ गई है। बाढ़ से चिरोदा और समाधियाला गांवों जलमग्न हो गए हैं। दोनों गांवों से लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट कर दिया गया है। ऐसा ही हाल घेड़ तालुका का है। यहां पिछले 24 घंटों में 8 इंच बारिश से बाढ़ के हालात बन गए हैं। बुधवार रात को बाढ़ में फंसे गांववालों को जेसीबी की मदद से निकाला गया।

राहुल गांधी बोले-लोकसभा चुनाव के नतीजों में हेरफेर किया गया

बारिश के बीच दिया भाषण, कहा- मोदी-अडाणी मिलकर आपकी आवाज दबा रहे हैं

शेखपुरा। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के पांचवे दिन राहुल गांधी ने मुंगेर में बारिश के बीच भाषण दिया। उन्होंने कहा- कुछ सालों से चुनाव हो रहे हैं। पब्लिक का मूड एक होता, लेकिन नतीजा दूसरा निकलता है। सबको लगता था कि चुनाव में कुछ ना कुछ गलत हो रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, वोट चोरी संविधान पर हमला है। देश के हर व्यक्ति को पता होना चाहिए कि

संविधान उनकी रक्षा करता है। यह आपकी आवाज है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी और अडाणी मिलकर दबा रहे हैं। संविधान पर हमला कर रहे हैं, लेकिन कोई भी ताकत संविधान को छू नहीं पाएगी।

राहुल गांधी ने यह दावा किया-

मुझे पूरा विश्वास है कि पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजों में हेरफेर किया गया था। महाराष्ट्र में पहली बार सबूत मिला कि चुनाव आयोग और बीजेपी मिलकर चुनाव चोरी कर रहे हैं। जिन्होंने लोकसभा में वोट नहीं किया, केवल विधानसभा में किया। ये सारे वोट बीजेपी के गठबंधन में गए। हमारा वोट कम नहीं हुआ लेकिन जहां ये वोट बड़ा वहां बीजेपी की जीत हुई। मुंबई के एक विधानसभा में दूध का दूध पानी का पानी हो गया। राहुल गांधी ने कहा- बिहार में भी ऐसा ही करने की तैयारी है। पिछली बार भी हमारे गठबंधन की हार के पीछे भी चुनाव चोरी का ही मामला होगा। हर प्रदेश में पीएम मोदी, बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं।

मनीषा का 9वें दिन अंतिम संस्कार

छोटे भाई ने दी मुखाग्नि, पिता फूट-फूटकर रोए

भिवानी। भिवानी की टीचर मनीषा का गुरुवार सुबह घर से लापता होने के 9वें दिन अंतिम संस्कार कर दिया गया। मनीषा को उनके छोटे भाई नितेश (13) ने मुखाग्नि दी। इस दौरान पिता संजय फूट-फूट कर रोए। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा।

मनीषा के शव को गुरुवार सुबह 8 बजे भिवानी के सिविल अस्पताल से घर नहीं ले जाया गया बल्कि सीधा गांव ढाणी लक्ष्मण के श्मशान घाट लाया गया। बार-बार पोस्टमॉर्टम और शव के पुराने होने की वजह से हालत बिगड़ने के चलते किसी को कफन हटाकर अंतिम दर्शन नहीं कराए गए। मनीषा को अंतिम विदाई देने के लिए काफी संख्या में ग्रामीण गांव पहुंचे। उन्होंने मनीषा अमर रहे के नारे भी लगाए।

ठग गैंग

शेयर मार्केट में मुनाफे का लालच देकर एप डाउनलोड कराते थे, 29 अरेस्ट

फर्जी कॉल सेंटरों से करोड़ों ठगने वाला गैंग पकड़ा

वाराणसी। वाराणसी में गुरुवार को कॉल सेंटर चलाकर करोड़ों की ठगी करने वाला गैंग पकड़ा गया। ये लोग शेयर मार्केट में निवेश और बड़े मुनाफे का लालच देकर ठगते थे। 29 लोगों को अरेस्ट किया है।

इनके पास से 57 मोबाइल फोन, चेकबुक, आधार कार्ड और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। इनमें से एक मोबाइल नंबर नेपाल का भी पाया गया है। जिनसे अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की बात भी सामने आई है। कॉल सेंटर में एप के जरिए से कई फर्जी खातों का संचालन किए जाने का डाटा मिला है। पुलिस ने सिगरा, लक्सा थाना और जनपदीय साइबर सेल की 4 टीमों की

छापेमारी के बाद सभी को गिरफ्तार कर लिया। कॉल सेंटर को सील कर दिया गया है, वहीं उनके मोबाइल और लैपटॉप का डाटा फिल्टर कराने के लिए लैब को भेजा गया है। सभी को मीडिया के सामने पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

डीसीपी को लगातार मिल रही थीं शिकायतें

डीसीपी क्राइम सरवणन टी ने बताया-पिछले कुछ महीनों से निवेश के नाम पर ठगी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इस पर सिगरा, लक्सा थाना और जनपदीय साइबर सेल की 4 टीमें गठित की गईं। छानबीन के बाद पुलिस को दो फर्जी कॉल सेंटर की जानकारी मिली।

ठग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर मार्केट निवेश के नाम पर आकर्षक विज्ञापन डालते थे। टेली कॉलिंग के जरिए लोगों को निवेश के लिए प्रेरित करते, उनसे बैंक अकाउंट डिटेल्स लेते और फर्जी एप्लिकेशन डाउनलोड कराकर उनके पैसे जमा कराते थे। शुरुआत में निवेशकों को मुनाफे का झांसा देकर भरोसा दिलाते, लेकिन बाद में लाभ का 40 प्रतिशत खुद रखकर रकम अपने खातों में ट्रांसफर कर लेते थे।

27 वारदात में इन कॉल सेंटर की भूमिका

अब तक 27 मामलों में इन कॉल सेंटरों की संलिप्तता की पुष्टि हुई है। बरामदगी में 20 लाख रुपए के 57 मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के चेकबुक, आधार कार्ड और कई सिम कार्ड मिले हैं। कॉल सेंटर के कर्मचारियों को नकली नाम दिए गए थे, जिनके जरिए वे लोगों को जाल में फंसाते थे। भेलूपुर निवासी कृतिन यादव, मिर्जापुर निवासी धीरज बेन और अमरोहा निवासी शिवम यादव समेत 29 लोगों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा गया है।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्ध नगर
शुक्रवार 22 अगस्त 2025
Www.vishalindia.in

संपादकीय

मनी गेमिंग पर रोक : सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

हाल के वर्षों में, भारत में मनी गेमिंग, विशेष रूप से ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी, ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स जैसे रमी, पोकर, फंतासी स्पोर्ट्स और अन्य गेम्स ने लाखों उपयोगकर्ताओं को आकर्षित किया है। हालांकि, इस बढ़ती लोकप्रियता के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक समस्याएं भी सामने आई हैं, जिसके कारण सरकार और नियामक संस्थाओं ने मनी गेमिंग पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठाए हैं। यह लेख मनी गेमिंग पर रोक के कारणों, प्रभावों और इसके भविष्य पर चर्चा करता है।

मनी गेमिंग का उदय और चुनौतियां

मनी गेमिंग, जिसमें खिलाड़ी वास्तविक धन दांव पर लगाते हैं, ने डिजिटल युग में नया रूप ले लिया है। स्मार्टफोन्स और इंटरनेट की आसान पहुंच ने इसे हर घर तक पहुंचा दिया। फंतासी स्पोर्ट्स जैसे प्लेटफॉर्म, जो खेल के प्रति उत्साह को भुनाते हैं, और ऑनलाइन कार्ड गेम्स ने युवाओं को विशेष रूप से आकर्षित किया है। हालांकि, इस उद्योग ने कई चुनौतियां भी खड़ी की हैं।

पहली और सबसे बड़ी समस्या है जुए की लत। कई लोग, विशेष रूप से युवा, इन खेलों में इतना डूब जाते हैं कि वे अपनी बचत, समय और मानसिक स्वास्थ्य को दांव पर लगा देते हैं। इसके अलावा, धोखाधड़ी और अवैध गतिविधियों का खतरा भी बढ़ा है। कई अनियंत्रित प्लेटफॉर्म्स उपयोगकर्ताओं को ठगने और उनके डेटा का दुरुपयोग करने में शामिल पाए गए हैं। मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध धन हस्तांतरण की आशंका ने भी सरकार का ध्यान इस ओर खींचा है।

सरकार का रुख और कानूनी कदम

भारत में जुआ और सट्टेबाजी को नियंत्रित करने वाले कानून पुराने हैं और डिजिटल युग की चुनौतियों के लिए अपर्याप्त हैं। 1867 का पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट आज के संदर्भ में अप्रासंगिक हो चुका है। हालांकि, राज्यों को अपने स्तर पर नियम बनाने की स्वतंत्रता है, जिसके कारण कुछ राज्यों ने मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग पर सख्त नियम लागू किए हैं, जबकि अन्य राज्य इसे नियंत्रित करने के लिए नए कानून ला रहे हैं।

केंद्र सरकार भी इस दिशा में सक्रिय है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें पारदर्शिता, उपयोगकर्ता सुरक्षा और निष्पक्षता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही, मनी गेमिंग को %कौशल आधारित% और %जुआ आधारित% गेम्स में वर्गीकृत करने की कोशिश की जा रही है। कौशल आधारित गेम्स को कुछ हद तक वैध माना जा सकता है, लेकिन जुआ आधारित गेम्स पर सख्ती बढ़ रही है।

सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

मनी गेमिंग पर रोक के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव जटिल हैं। एक ओर, यह कदम व्यक्तियों को वित्तीय नुकसान और लत से बचाने में मददगार हो सकता है। कई परिवारों ने गेमिंग की लत के कारण आर्थिक संकट का सामना किया है। रोक लगने से युवाओं का ध्यान पढ़ाई और उत्पादक गतिविधियों की ओर केंद्रित हो सकता है।

दूसरी ओर, मनी गेमिंग उद्योग ने रोजगार सृजन और कर राजस्व में योगदान दिया है। इस पर पूर्ण प्रतिबंध से कई स्टार्टअप्स और छोटे व्यवसाय प्रभावित हो सकते हैं। इसके अलावा, उपयोगकर्ता अवैध और अनियंत्रित प्लेटफॉर्म्स की ओर आकर्षित हो सकते हैं, जो और भी खतरनाक हो सकता है।

भविष्य की दिशा

मनी गेमिंग पर रोक का भविष्य नियमन और जागरूकता पर निर्भर करता है। पूर्ण प्रतिबंध की बजाय, नियंत्रित और पारदर्शी ढांचा अधिक प्रभावी हो सकता है। सरकार को चाहिए कि वह लाइसेंसिंग, उम्र सीमा, और वित्तीय सीमाओं जैसे उपायों को लागू करे। साथ ही, जनता को जागरूक करने के लिए अभियान चलाए जाएं, ताकि लोग गेमिंग के जोखिमों को समझ सकें।

निष्कर्षत:, मनी गेमिंग पर रोक एक संवेदनशील मुद्दा है, जिसमें सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। सही नीतियों और जागरूकता के साथ, इस चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है।

दूरदर्शी नीति से बरकरार रहेगी सिटी की ब्यूटी

मंगलवार को सिटी ब्यूटीफुल के एक हिस्से में, जो जमकर बदरा बरसे, उसे देख अमंगल सी आहट हुई। देश के जिस नियोजित शहर की पहले कस्में खाई जाती थीं। जिसकी जल निकासी व्यवस्था की मिसालें दी जाती। जिसकी खूबसूरती को लेकर तमाम गीत लिखे गए। वहां कुछ घंटों की बारिश ने शहर को पानी-पानी कर दिया। वहां पानी में कारें डूबती नजर आईं। सड़कों पर जाम नजर आए। कई अंडरपास लबालब थे। राहगीर सोचने लगे आखिर चंडीगढ़ कैसे आशिकी करेगा ? दुहाई दी गई कि शहर में मध्यमार्ग के पूर्वी हिस्से में 35 एमएम की बारिश से हाल-बेहाल हुए। कहा गया कि दिन में तापमान बढ़ने से अधिक नमी के बीच लोकल क्लाउड बना और अप्रत्याशित बारिश हुई। लेकिन सवाल यह है कि फ्रांसीसी वास्तुकार ली कॉर्बूजिए की योजनाएं क्यों विफल हुई ? हर साल जो वॉटर ड्रेनेज सिस्टम की सफाई के टेंडर दिए जाते हैं, उससे जलनिकासी का संकट क्यों दूर नहीं हुआ ? दलील दी जा रही हैं कि पानी का प्रवाह अप्रत्याशित था,जो ड्रेनेज सिस्टम की क्षमता से अधिक था। सवाल यह है कि जब पूरे देश में ग्लोबल वॉर्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में बदलाव साफ नजर आ रहा है, तो उसके मद्देनजर तैयारियां क्यों नहीं की गई ? सवाल है कि दो राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश की राजधानी चंडीगढ़ में बैठी अधिकारियों की फौज क्यों आने वाले समय की चुनौतियों के मुकाबले के लिए रीति-नीतियां तैयार नहीं करती ? हमें कल की नहीं, परसों के हिसाब से नीतियां बनाने की जरूरत होती है। विदेशों में पचास-सौ साल के लक्ष्य निर्धारित करके योजनाएं बनती हैं। मगर हम इस मामले में फिसड्डी नजर आते हैं। विडंबना है कि हाल के वर्षों में सिटी ब्यूटीफुल कहे जाने वाले चंडीगढ़ के लोक-प्रशासन में वो संवेदनशीलता अधिकारी वर्ग में नजर नहीं आ रही है, जो इसकी विशिष्टता को बनाए रख सके। जगह-जगह सड़कों की हालात खराब है। तमाम स्थानों पर सड़कों पर पैच लगे हैं,ऐसा पहले नहीं दिखता था।

निस्संदेह, चंडीगढ़ के शासन-प्रशासन में कहीं तो खोट है, जो शहर देश में स्वच्छ व खूबसूरत शहरों की दौड़ में लगातार पिछड़ता जा रहा है। यही वजह है कि अब सिर्फ बोर्डों में सिटी ब्यूटीफुल नजर आता है। देश के इस पहले नियोजित शहर में इतनी अपार संभावनाएं हैं कि देश में यह साफ-सफाई, जल-निकासी व खूबसूरती में हमेशा अव्वल आ सकता है। लेकिन न तो शासन-प्रशासन के स्तर पर और ना ही स्थानीय नगर निगम के स्तर पर कोई ऐसी मुहिम चली है। नागरिक स्तर पर कोई बड़ा अभियान नहीं चला है। कमोबेश, यही स्थिति कचरे के निस्तारण को लेकर भी है। इसमें दो राय नहीं कि चंडीगढ़ जनसंख्या के दबाव से घिरा है। कमोबेश यह स्थिति सारे देश में है। वहीं चंडीगढ़ के आसपास के इलाकों में अधिकृत व अनधिकृत निर्माण तेजी से हुए हैं। जिससे पानी निकासी के जो प्राकृतिक रास्ते थे, वे भी अवरुद्ध हुए हैं।

विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का

-ललित गर्ग-

गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे नेता चाहे वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्री ही क्यों न हो, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के बाद एक निश्चित अवधि बीत जाने पर हटाने की व्यवस्था वाले विधेयक को जब केन्द्र सरकार ने लोकसभा में प्रस्तुत किया तो जरूरत से ज्यादा हंगामा एवं विरोध समझ में नहीं आया। इस तरह ईमानदार, अपराधमुक्त राजनीति एवं चरित्रसम्पन्न-पवित्र राजनेताओं की पैरवी वाले विधेयक पर हंगामा लोकतंत्र की गरिमा को आहत करता है। गृहमंत्री अमित शाह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी ओर से इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार भी कर लिया, अब तो विपक्ष को विरोध एवं हंगामें को विराम देते हुए इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी ईमानदार, समानतापूर्ण एवं आदर्श व्यवस्था क्यों नहीं बननी चाहिए, जिससे उच्च पदों पर बैठे नेताओं के गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी अथवा हिरासत में लिये जाने पर उनके लिये पद छोड़ना आवश्यक हो जाये ? आखिर इस आदर्श व्यवस्था में समस्या क्या है ? क्यों विपक्ष नैतिक एवं आदर्श राजनीतिक व्यवस्था में अवरोधक बनकर अपने नैतिक चरित्र पर प्रश्न खड़े कर रहा है ? क्या इस विधेयक का असर सत्तापक्ष के नेताओं पर नहीं होगा ?

आजादी के बाद से कतिपय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तोड़ती है और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए ? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है ? निश्चित ही नहीं। जब तक राजनीति से अपराधी तत्वों का निष्कासन नहीं होगा, तब तक न तो सुशासन स्थापित हो सकता है न ही नया भारत, विकसित भारत एवं आदर्श भारत बन सकता है और न ही राजनीति के प्रति जनता का भरोसा लौट सकता है।

आज समय आ गया है कि नए कानून बनाकर राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएं। यह केवल चुनाव सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का प्रश्न है। ऐसे प्रावधान होने चाहिए कि जिस क्षण कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध में आरोपित होकर जेल भेजा जाए या आरोप सिद्ध होने तक हिरासत में रहे, वह स्वचालित रूप से अपने पद से मुक्त हो जाए। इस्तीफे की प्रतीक्षा या राजनीतिक दबाव की आवश्यकता ही न रहे। अनेक नेताओं ने ऐसा आदर्श प्रस्तुत भी किया, लेकिन आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आदि अनेक पार्टियों के नेताओं ने जेल से सरकारें चलाने एवं मंत्री पद पर बने रहने के काले अध्याय रचे हैं, इसी के चलते इस नये विधेयक की अपेक्षा सामने आई।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में स्वच्छ राजनीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब सत्ता और शासन के केंद्र में अपराधी मानसिकता के लोग बैठते हैं, तो वे शासन को अपने स्वार्थ और अपराधों की ढाल बना लेते हैं। इससे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था खोखली होती है, बल्कि आम जनता का जीवन भी संकट में पड़ता है। भ्रष्टाचार, धनबल, बाहुबल, भाई-भतीजावाद, हिंसा और अनैतिकता का वातावरण उसी समय पनपता है, जब राजनीति अपराधियों के कब्जे में जाती है। ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले नेताओं की मांग आज पहले से अधिक बढ़ गई है। जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करे। राजनीति यदि सेवा और त्याग का माध्यम बनेगी तो ही समाज का कल्याण होगा। जिन नेताओं पर जरा भी संदेह का धुंधलका हो, उन्हें स्वयं स्वेच्छा से पद छोड़ देना चाहिए। यही परंपरा राजनीति को उच्चता और गरिमा प्रदान कर सकती है।

अपराधमुक्त राजनीति केवल नैतिक अपेक्षा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। जब तक राजनीति में शुचिता और नैतिकता का स्थान नहीं बनेगा, तब तक सुशासन और ईमानदार प्रशासन की कल्पना अधूरी ही रहेगी। नए कानूनों का निर्माण कर अपराधियों के लिए राजनीति के दरवाजे बंद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह कदम न केवल लोकतंत्र को सुदृढ़ करेगा, बल्कि जनता के भीतर यह विश्वास भी जगाएगा कि राजनीति वास्तव में लोककल्याण के लिए है, न कि अपराधियों की शरणस्थली। यही अपराधमुक्त राजनीति का दर्शन है, जहां सत्ता अपराधियों का आश्रय-स्थल न होकर समाज की नैतिक ऊर्जा का केंद्र बने। यही उसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है कि वह लोकतंत्र को उसकी वास्तविक आत्मा लौटाए और राजनीति को सेवा, शुचिता और ईमानदारी का प्रतीक बनाए।

भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो। किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं। उनकी असहमति अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रही है कि आखिर विपक्ष दागियों की वकालत करते हुए वह स्वयं भी दागी क्यों बन रही है ? आशंका जताई जा रही है कि यदि यह संशोधन पारित हो गया तो विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री अस्थिर हो सकते हैं, उनके पद संकट में पड़ सकते हैं। दरअसल यह विरोध केवल विधेयक का नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा, अपनी सत्ता बचाने और सुरक्षा का है। प्रश्न यह उठता है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपराधमुक्त राजनीति नहीं चाहता ? क्या केवल सत्ता में बने रहने के लिए राजनीति को अपराधियों का अड्डा बनाए रखना आवश्यक है ?

विपक्ष का तर्क है कि सरकार इस विधेयक का दुरुपयोग कर सकती है, और केवल आरोप लगाकर भी नेताओं को पद से हटाया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि लोकतंत्र में जब तक कानून कठोर और स्पष्ट नहीं होगा, तब तक राजनीति से अपराध का सफाया संभव नहीं है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप गलत सिद्ध होता है तो उसके लिए पुन: प्रतिष्ठा अर्जित करने के रास्ते खुले रहेंगे, परंतु गंभीर आरोपियों को शासन की कुर्सी पर बने रहने देना लोकतंत्र के साथ अन्याय है, उसकी मूल आत्मा को ध्वस्त करना है। ऐसा अरविन्द केजरीवाल ने पहली बार किया और जेल से ही सरकार चलाने का दम भरते रहे।

आज देश 'विकसित भारत' के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है। राजनीति में अपराधियों की घुसपैठ न केवल लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है बल्कि जनता के विश्वास को भी तोड़ती है। अपराधमुक्त राजनीति न केवल आदर्श है बल्कि सुशासन और विकास की बुनियादी शर्त है। इसलिए आवश्यक है कि ऐसे विधेयक का स्वागत किया जाए, क्योंकि यह राजनीति को शुचिता, नैतिकता और जनहित के मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। राजनीति में एक नये सूरज का उदय है। विपक्ष यदि इसका विरोध करता है तो यह सवाल स्वत: उठता है कि क्यों विपक्ष अपराधमुक्त राजनीति का विरोध करके अपराधियों का संरक्षण कर रहा है?

क्या उसे अपने ही दागी नेताओं के लिए भय है ? लोकतंत्र को बचाने और मजबूत करने के लिए यह विधेयक समय की मांग है। नया भारत तभी विकसित भारत बनेगा जब उसकी राजनीति अपराधियों से मुक्ति होगी। अपराधमुक्त राजनीति से ही सुशासन आएगा, ईमानदार नेतृत्व पनपेगा और जनता के बीच विश्वास की नई रोशनी जगेगी। यही लोकतंत्र की असली जीत होगी।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3627

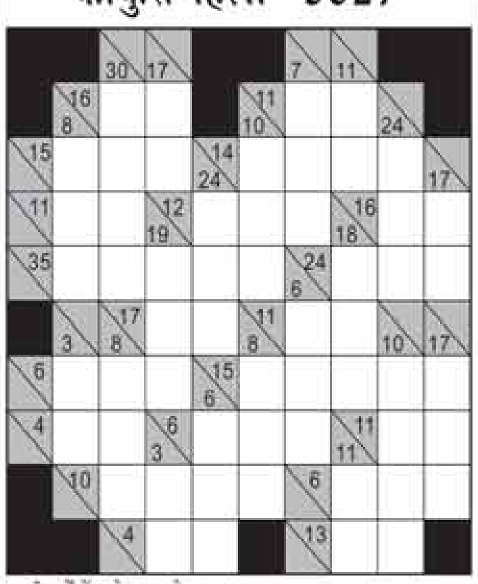

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 5 (11); 1, 2, 4 (7)

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3626 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूं. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूं.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली - 3627

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाक्षी की 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है ?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी ?-२
१६. 'आजकल पॉव जमीं' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग वाला बहार वाली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंग दे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कैवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'ओ बाबा ओ बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3626

सूडोकु -3627

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3626 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3627

बाएँ से दाएँ

1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार,जेल-4
8. पानी,नीर-2
9. मीन,मत्स्य-3
10. लक्ष्मी,कमला-2
11. कलाकार,फनकार-4
12. मर्द,मादा का विलोम-2
14. हसरत,मुराद-4
15. कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17. भूमि,धरती-3
19. मतवाला,मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना,भिड़ना-4
29. ढौंडी पीटना-3
31. सांप,सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर,अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र,बेटा-3
39. टोंटी,नलका-2
40. ललचाना,तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1. ईश्वर,अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी,कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर,थाती-4
13. मिट्टी,धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़,द्वार-2
25. उदाहरणत:-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट,मेल-मिलाप-4
30. दिया,दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया,नवीन-2

शब्द पहेली - 3626 का हल

गौतमबुद्धनगर
शुक्रवार 22 अगस्त 2025
Www.vishalindia.in

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ड्रोन और लेजर प्रतिबंध

20 किमी तक बिना एनओसी निर्माण नहीं किया जा सकता, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर आपदा प्रबंधन और एयरफील्ड पर्यावरण प्रबंधन को लेकर आज कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी मेधा रूपम ने बैठक की। बैठक में एयरपोर्ट एनवायर्नमेंट मैनेजमेंट कमेटी , एअरोड्रोम कमेटी एवं एयरपोर्ट इमरजेंसी प्लानिंग कमेटी के अधिकारी उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट पर वर्तमान में क्या स्थिति है। कितना काम हो गया है। कितना बचा है। इस पर अधिकारियों ने पावर पॉइंट प्रजेंटेशन किया। जिलाधिकारी ने कहा- एयरपोर्ट के 20 किमी के दायरे में बिना एनओसी किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न किया जाए। उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्षेत्र में साफ-सफाई बनाए रखी जाए। जलभराव रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। पक्षियों एवं आवारा जानवरों की गतिविधियों को कंट्रोल किया जाए। ताकि विमान संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए।

ड्रोन लेजर पर प्रतिबंध

ड्रोन एवं लेजर लाइट जैसी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाई जाए। आसपास और ग्रामीण इलाकों में इससे संबंधित जागरूकता अभियान चलाया जाए। AEMC, AC एव AEPC समितियों व अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय एवं सहयोग को और अधिक मजबूत किया जाए।

आपदा प्रबंधन योजनाओं, आपातकालीन मेडिकल सुविधा, अग्निशमन एवं बचाव कार्य, पुलिस सुरक्षा, नागरिक सुरक्षा संगठनों की भागीदारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की।

आपदा प्रबंधन पहली प्राथमिकता

मेधा रूपम ने कहा- एयरपोर्ट का सुरक्षित संचालन एवं आपदा प्रबंधन ही हमारी पहली प्राथमिकता है। सभी विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर निर्धारित समय पर प्रगति से अवगत कराते रहें। ताकि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को विश्वस्तरीय एवं सुरक्षित एयरपोर्ट के रूप में विकसित किया जा सके।

नोएडा में 23 करोड़ रुपए से बनेगा रेग्यूलेटर

सेक्टर-150 में बनाया जाएगा, किया जाएगा एग्रीमेंट, 2023 में आई थी बाढ़

नोएडा। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे के किनारे बसी सोसाइटी, सेक्टरों व गांव में यमुना-हिंडन का पानी बैकफ्लो न हो इसके लिए प्राधिकरण हिंडन नदी रेग्युलेटर बनाने जा रहा है। ये रेग्युलेटर सेक्टर-150 के पास बनाया जाएगा। इसके निर्माण पर 23 करोड़ रुपए खर्च होगा। खर्च प्राधिकरण करेगा, लेकिन निर्माण उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग करेगा।

हिंडन पर यहां पहला हेड रेग्यूलेटर होगा। इसे नोएडा में बनाने की तैयारी पूरी की गई है। प्राधिकरण जीएम सिविल अशोक कुमार अरोड़ा ने बताया हिंडन पर हेड रेग्युलेटर तैयार कराया जाएगा। सिंचाई विभाग ने एस्टीमेट तैयार कर प्राधिकरण के पास भेज दिया है, जल्द एग्रीमेंट कर काम शुरू करवाया जाएगा।

डिजाइन में खर्च हुए 30 लाख

उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के साथ नोएडा प्राधिकरण की साल 2023 से इसे बनाने की कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है। इसमें सेक्टर-148 व 150 में दो हेड रेग्यूलेटर बनाना था। इस पर कई बार संयुक्त टीम निरीक्षण कर चुकी थी। हाल ही में प्राधिकरण ने इसके सर्वे व ड्राइंग डिजाइन के लिए 30 लाख रुपए भी उत्तर प्रदेश सिंचाई को दिया था। अब सिंचाई विभाग की ओर से सेक्टर-150 में एक हेड रेग्यूलेटर बनाने का एस्टीमेट 23 करोड़ रुपए का तैयार कर प्राधिकरण के पास भेजा है। बजट अनुमोदित होते ही एग्रीमेंट होगा।

2023 में घुसा सेक्टर में पानी

2023 में यमुना का जलस्तर बढ़ा था। जिससे यमुना में बैकफ्लो होने से सेक्टर-168 में बना हेड रेग्युलेटर फेल हो गया। एक्सप्रेसवे के किनारे बने नालों में यमुना का जल पहुंच गया। इससे सेक्टर-142 स्थित एडवंट के नए बने नाले फट गए थे । इससे सेक्टर-137 तक की तमाम सोसायटियों की सड़कों पर जलभराव हो गया। प्राधिकरण ने ऑप्शनल व्यवस्था से यमुना के जल को शहर में घुसने से रोका।

महिला कबड्डी लीग में 4 राज्यों की टीमें

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में श्री द्रोणाचार्य मंदिर परिसर के मेला मैदान में महिला कबड्डी लीग का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। लीग मैचों में सबसे रोमांचक मुकाबला गाजियाबाद और दिल्ली की टीमों के बीच हुआ। इस मैच में दिल्ली की टीम विजयी रही। प्रतियोगिता में राज्य और जिला स्तर की खिलाड़ी भाग ले रही हैं। आयोजक जयप्रकाश नागर और बलराज नागर के अनुसार, इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य महिला खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारना है। शुक्रवार को चार टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले होंगे।

नोएडा पुलिस ने 20 और 15 हजार के इनामी पकड़े

नोएडा। नोएडा पुलिस ने दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत एक्शन लिया गया है। इसमें एक वांछित आरोपी को थाना सेक्टर-24 और दूसरे को थाना फेज-3 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये दोनों काफी लंबे समय से वांछित चल रहे थे।

केस-1

सेक्टर 24 पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित मोहम्मद अशरफ भट्ट को श्रीनगर से स्थानीय पुलिस टीम को साथ लेकर हिरासत में लिया गया। अशरफ भट् की गिरफ्तारी के लिए विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट गौतम बुधनगर द्वारा एनबी डब्ल्यू जारी किया गया था।

पुलिस उपायुक्त नोएडा के आदेश पर इस पर 20 हजार का इनाम था। इसकी ट्रांजिट रिमांड को लेकर कोर्ट में पेश किया गया। इसकी उम्र करीब 70 साल है। आरोपी जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर का रहने वाला है। इस पर दिल्ली क्राइम ब्रांच समेत नोएडा और गाजियाबाद में मुकदमे हैं।

केस-2

थाना फेस 3 पुलिस ने बीट पुलिसिंग व गोपनीय व इलेक्ट्रॉनिक सूचना के आधार पर गैंगस्टर एक्ट में वांछित 15000 रुपए का इनामी बदमाश शहजाद उर्फ मनीष पुत्र रईशुद्दीन को शालीमार गार्डन गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया। शहजाद विभिन्न थाना क्षेत्रों से टॉवरों से आर आरयू व अन्य चोरियां करता है। बदमाश पहले भी जेल जा चुका है।

ग्रेटर नोएडा में मीट व्यापारी के कर्मचारी की हत्या

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बुधवार शाम एक मीट व्यापारी के कर्मचारी की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान खुर्शीद आलम (31) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला था और पतवाड़ी गांव में रहता था। घटना शाम के समय की है। खुर्शीद दुकान बंद कर घर जा रहा था। रास्ते में तीन युवकों ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने खुर्शीद पर चाकू से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। घायल खुर्शीद को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी संजू को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी दीक्षा सिंह के अनुसार, घटना में शामिल अन्य दो आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस टीम उनकी तलाश में जुटी है।

25वीं मंजिल से गिरकर युवक की मौत

रस्सी के सहारे कर रहा था पुताई, संतुलन बिगड़ने से सीधे नीचे आकर गिरा

नोएडा। सेक्टर-107 स्थित लोटस-300 सोसाइटी की 25वीं मंजिल पर रस्सी के सहारे पुताई कर रहा मजदूर संतुलन बिगड़ने से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान मजदूर की मौत हो गई। इस मामले में मृतक के परिजनों ने सेक्टर-39 थाने में अभी तक शिकायत नहीं दी है। मृतक की पहचान हिमांशु 24 साल हुई है।

इलाज के दौरान हुई मौत

18 अगस्त को दोपहर दो बजे के करीब जब वह लोटस-300 सोसाइटी की 25वीं मंजिल पर रस्सी से बने झूले के सहारे पुताई कर रहा था तभी उसका संतुलन बिगड़ गया। नीचे गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने उसे उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान 20 अगस्त को उसकी मौत हो गई। मृतक का गुरुवार को रामपुर में अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था। इस मामले में परिजनों ने पुलिस से शिकायत नहीं की है।

नहीं पहने थे सुरक्षा उपकरण

पुलिस शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है। पूरे घटनाक्रम को जानने के लिए पुलिस सोसाइटी के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक मजदूर को सुरक्षा उपकरण नहीं उपलब्ध कराए गए थे। काम किसकी ओर से कराया जा रहा था इसकी भी जानकारी पुलिस अपने स्तर से कर रही है। हिमांशु के सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट आई थी।

नोएडा डीएम ने एक्स प्रोफाइल को किया इनएक्टिव

मुख्य चुनाव आयुक्त की है बेटी, प्रेस वार्ता के बाद से हो रही थी ट्रोल

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम अपनी एक्स प्रोफाइल को ही इनएक्टिव कर दिया है। रुपम ने सोशल मीडिया साइट्स फेसबुक, एक्स और इंस्टाग्राम अकाउंट डिएक्टिवेट कर लिए हैं। मेधा रूपम ने यह फैसला एक सप्ताह से हो रही ट्रोलिंग की वजह से लिया है।

सोशल मीडिया पर मेधा रुपम उस वक्त लोगों के निशाने पर आ गईं, जब उनके पिता और भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विपक्षी दलों द्वारा लगाए गए आरोपों पर एक प्रेस वार्ता की। ज्ञानेश कुमार की प्रेस वार्ता के बाद सोशल मीडिया पर उनकी बेटी और भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी आईएएस मेधा रूपम के साथ-साथ दामाद व सहारनपुर के जिलाधिकारी मनीष बंसल को भी ट्रोल किया जाने लगा।

दो बार मिली पोस्टिंग

सोशल मीडिया पर लोगों ने यहां तक लिखा कि आखिर किस आधार पर मेधा रुपम को नोएडा में दो बार पोस्टिंग मिली।

बता दें गौतमबुद्धनगर की जिलाधिकारी नियुक्त होने से पहले मेधा रुपम, साल 2023-2024 तक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में बतौर एसीईओ अपनी सेवाएं दे चुकीं है। 2014 बैच की आईएएस अधिकारी मेधा रूपम को उत्तर प्रदेश सरकार ने 28 जुलाई 2025 को गौतमबुद्ध नगर का जिलाधिकारी नियुक्त किया था।

पति को भी किया ट्रोल

वहीं उनके पति मनीष बंसल की बात करें तो इसी साल जून 25 जून को सहारनपुर का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया। उधर, सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग से परेशान अकाउंट्स डिएक्टिवेट करने के बाद मेधा रुपम ने कहा कि अभी तक शिकायत नहीं की है। रुपम ने कहा कि लेकिन भविष्य में निश्चित तौर पर शिकायत करा के कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

5 लाख टन वेस्ट निपटारा के लिए टेंडर जारी होगा

आईआईटी ने टेंडर दस्तावेज को किया अप्रूव, 12 महीने में जमीन को करना है साफ

नोएडा। नोएडा की सेक्टर-145 अस्थाई डंप साइट को खाली कराया जाना है। ड्रोन सर्वे में सामने आया था कि अब भी करीब 3.53 लाख टन वेस्ट डंपिंग साइट पर है। रोजाना करीब 1200 टन वेस्ट और आ रहा है। ये वेस्ट सेक्टर और गांवों का है। प्राधिकरण ने बताया कि 5 लाख टन वेस्ट का निपटारा प्राधिकरण कराएगा। इसके बाद ही जमीन को रि क्लेम किया जा सकता है।

इसके लिए प्राधिकरण ने एनआईटी जारी करने से पहले आईआईटी रूढ़की को इसकी जांच के लिए भेजा था। वहां से अप्रूवल आ गया है। अब टेंडर से कंपनी का चयन किया जाएगा। वर्तमान में डंप साइट पर कूड़े का निपटारा अल्फा थर्म लिमिटेड कंपनी कर रही है। कंपनी बायोरेमीडियेशन पद्यति से कूड़े का निपटारा करती है। 30 नवंबर 2022 को कंपनी के साथ एग्रीमेंट किया गया।

जून 2024 तक 5 लाख टन और वेरिएशन के बाद अतिरिक्त 5 लाख टन यानी कुल 10 लाख टन वेस्ट का निपटारा कर चुकी है। इसके बाद भी साइट पर 3.53 लाख टन वेस्ट पड़ा है। इसमें से 1.50 लाख टन वेस्ट का निपटारा अल्फा थम कंपनी कर रही है। बाकी 2.03 लाख टन और रोजाना वेस्ट का निपटारा चयनित होने वाली कंपनी करेगी।

69 हजार वर्गमीटर जमीन रि क्लेम

बारिश की वजह से काम धीमा हो गया था। लेकिन इसके थमते वेस्ट के निपटारे का काम तेज गति से होगा। प्राधिकरण ने बताया कि एक दिन की बारिश के बाद अगले सात दिनों तक वेस्ट गीला होने से इसके निपटारा करने में समय लगता है। जिससे वेस्ट के निपटारा होने में समय लगेगा। एक बार पूरा वेस्ट का निपटारा हो जाएगा तो जमीन को रि क्लेम किया जा सकेगा। वर्तमान में करीब 69 हजार 900 वर्गमीटर जमीन को रि क्लेम किया जा चुका है।

12 महीने में शिफ्ट हो जाएगी साइट

प्राधिकरण ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के अस्तौली में वेस्ट से टोरीफाइड चारकोल बनाने के लिए एनटीपीसी और बायो सीएनजी के लिए एनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट पहले किया जा चुका है। करीब 12 ये दोनों प्लांट शुरू हो जाएंगे। जिसके बाद नोएडा का वेस्ट का निपटारा वहां किया जाने लगेगा।

ग्रेटर नोएडा में यमुना का जलस्तर बढ़ा

15 एकड़ फसल डूबी, झुग्गी-झोपड़ी वालों को रात पुश्ते पर गुजारनी पड़ी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से किसानों और गरीब परिवारों को भारी नुकसान हुआ है। गुलवाली गांव के पास यमुना का पानी खेतों में घुस गया। इससे 15 एकड़ में लगी सब्जी और धान की फसल नष्ट हो गई।

यमुना के पुश्ते के पास रहने वाले झुग्गी-झोपड़ी के परिवारों की स्थिति सबसे खराब रही। अचानक पानी बढ़ने से कई परिवार अपने घरों में फंस गए। प्रशासन से कोई मदद नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने टायरों के ट्यूबों से लोगों को बाहर निकाला।

एक दर्जन से अधिक परिवारों को पूरी रात पुश्ते पर बितानी पड़ी। प्रभावित लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि प्रशासन ने न तो उन्हें सुरक्षित निकालने की व्यवस्था की और न ही भोजन का इंतजाम किया। लोगों को खुद ही हर समस्या से जूझना पड़ा।

अब यमुना का जलस्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है। लेकिन इस घटना में किसानों को लाखों का नुकसान हुआ है। कई परिवार बेघर हो गए हैं। यह स्थिति बाढ़ से निपटने की प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल खड़े करती है। भविष्य में ऐसी आपदाओं से बचाव के लिए बेहतर व्यवस्था की आवश्यकता है।

ग्रेटर नोएडा में स्विफ्ट कार ने स्कूटी को मारी टक्कर

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा-मिर्जापुर रोड पर एक स्विफ्ट कार ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार मिर्जापुर गांव निवासी राकेश सिंह घायल हो गए। उन्हें बुलंदशहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना गुरुवार को हुई, जब राकेश कस्बा रबूपुरा से अपने काम से लौट रहे थे। मिर्जापुर रोड पर सामने से आ रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा में डंपर ने बाइक को मारी टक्कर

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सिकंदराबाद रेलवे रोड स्थित नाले के पास डंपर की टक्कर से बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मंडी श्यामनगर निवासी विशाल (22) और प्रियांशु (17) के रूप में हुई है। दोनों संजय प्रजापति के पुत्र थे। हादसे के समय दोनों भाई सिकंदराबाद की नवीन फल-सब्जी मंडी जा रहे थे। पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन समेत फरार हो गया। दोपहर में दोनों का शव घर पहुंचा और अंतिम संस्कार कर दिया गया। विशाल सब्जी का व्यवसाय करता था, जबकि प्रियांशु बर्गर बेचकर परिवार की मदद करता था। परिवार पहले से ही मुश्किलों से जूझ रहा था। पिता संजय प्रजापति की टांग में फ्रैक्चर है और बहन भी बीमार है। पड़ोसियों के अनुसार, दोनों भाई ही परिवार का एकमात्र सहारा थे।

मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप

गौतम बुद्ध नगर। समाजवादी महिला सभा की अध्यक्ष डॉक्टर शशि यादव के नेतृत्व में गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी दफ्तर में चुनाव आयुक्त के लिए ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से यादव, मुस्लिम, मौर्य, प्रजापति और बघेल जैसी पिछड़ी जातियों के नाम हटाए गए हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि- उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में नाम काटने को लेकर समाजवादी पार्टी ने 18 हजार शपथपत्र दिए थे। उनका आरोप है कि भाजपा सरकार ने एक का भी जवाब नहीं दिया है। समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष डॉक्टर शशि यादव ने मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल उठाए। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से दोषी अधिकारियों को दंडित करने की मांग की है। साथ ही यह भी मांग की है कि भविष्य में किसी वैध मतदाता का नाम अवैध तरीके से न हटाया जाए।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए डायट में प्रशिक्षण

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर स्थित जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान में साइबर सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। साइबर हेल्प डेस्क थाना दनकौर के सहयोग से गुरुवार को यह कार्यक्रम हुआ। इसमें प्रशिक्षु शिक्षकों और स्टाफ को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के तरीके बताए गए। उपनिरीक्षक अनुराग शर्मा ने साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने फिशिंग ईमेल, नकली कॉल और यूपीआई धोखाधड़ी के बारे में बताया। क्यूआर कोड से होने वाली धोखाधड़ी, सोशल मीडिया हैकिंग और ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड की जानकारी भी दी गई। साइबर अपराध का शिकार होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने की सलाह दी गई। इसके अलावा www.cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने का तरीका भी बताया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने यह ज्ञान विद्यालयों और समाज तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

सड़क पार कर रही महिला को ऑटो ने टक्कर मारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में एटीएस गोल चक्कर के समीप सड़क पार कर रही महिला को ऑटो ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला का दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक हिंडन के डूब क्षेत्र की कॉलोनी में रामसहाय परिवार के साथ रहते हैं। रामसहाय ने पुलिस को बताया कि बीते शुक्रवार की शाम उनकी पत्नी रीना देवी हिंडन के रास्ते की तरफ जा रही थीं। एटीएस गोल चक्कर के समीप सड़क पार करते समय एक ऑटो ने रीना को टक्कर मार दी ।हादसे में घायल रीना को पहले नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें दिल्ली रेफर किया गया। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में महिला का इलाज चल रहा है। इस मामले में रामसहाय ने आरोपी ऑटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है।

मायावती को मम्मी कहने वाले पर एफआईआर

गाजियाबाद। पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा प्रमुख मायावती को मम्मी कहने वाले गाजियाबाद के यूट्यूबर पुनीत सुपरस्टार उर्फ प्रकाश कुमार पर एफआईआर हुई है। गाजियाबाद के बसपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र मोहित ने बुधवार देर रात शालीमार गार्डन थाने में मुकदमा दर्ज कराया। कहा- यूट्यूबर ने पूर्व मुख्यमंत्री का अपमान किया है। कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। ऐसे में यूट्यूबर के खिलाफ कार्रवाई की जाए। एफआईआर होने के बाद यूट्यूबर ने वीडियो जारी कर माफी मांगी। कहा- मैं हाथ जोड़कर क्षमा मांगता हूं। भविष्य में दोबारा कभी ऐसी गलती नहीं करूंगा। दरअसल, यूट्यूबर ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें वह कह रहा है- मायावती मम्मी... मेरे को आप बहुत याद आती हो। मैं आपको बहुत याद करता हूं। मम्मी... आप कहां चली गई हो। इंस्टाग्राम आईडी puneetsuperr_star से पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ वीडियो पोस्ट किया गया है। इसमें गाजियाबाद भोपुरा का रहने वाला यूट्यूबर पुनीत सुपरस्टार उर्फ प्रकाश कुमार पूर्व मुख्यमंत्री की तस्वीर अपनी वीडियो के साथ लगाकर मम्मी-मम्मी का संबोधन करते हुए दिख रहा है।

दलित लड़की से गैंगरेप, लाश फंदे पर लटकी मिली

गाजियाबाद। गाजियाबाद में गैंगरेप पीड़ित दिव्यांग लड़की की लाश फंदे से लटकी मिली। पिता ने बताया कि बेटी हम लोगों के पास ही रहती थी। उसने कल रात दूसरे कमरे में जाकर सुसाइड कर लिया। सुबह हम लोगों ने देखा तो शव फंदे पर लटका हुआ मिला। 23 साल की पीड़ित मूक-बधिर यानी बोल और सुन नहीं पाती थी। मानसिक तौर पर भी दिव्यांग थी। बुधवार शाम वह घर से बाहर निकली थी। इस दौरान रास्ता भटक गई थी। घर आने के लिए उसने राहगीरों से मदद मांगी। लड़की को अकेला भटकता देख एक बाइक पर सवार तीन युवकों ने उसे घर छोड़ने के बहाने बाइक पर बैठा लिया। तीनों युवक लड़की को निठौरा गांव के पास जंगल ले गए। वहां गैंगरेप किया। इसके बाद लोनी इलाके में लाकर छोड़ दिया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए इलाके में 500 से ज्यादा पुलिस कर्मी तैनात हैं। एडिशनल पुलिस कमिश्नर आलोक प्रियदर्शी के मुताबिक, लड़की के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। परिवार के आरोपों पर घटना की जांच की जा रही है।

यश दयाल की हाईकोर्ट में सुनवाई टली

प्रयागराज। क्रिकेटर यश दयाल की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। 15 जुलाई को यश दयाल को इलाहाबाद हाईकोर्ट से अंतरिम राहत मिली थी। हाईकोर्ट ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने पीड़िता, राज्य सरकार और इंदिरापुरम के एसएचओ को नोटिस जारी करते हुए तीन हफ्ते में जवाब दाखिल करने का समय दिया था। जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा और जस्टिस अब्दुल शाहिद की डिवीजन बेंच मामले में सुनवाई करेगी। हाईकोर्ट ने याची यश दयाल के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर किसी भी तरह की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। युवती से यौन उत्पीड़न मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद यश दयाल ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। यश दयाल के खिलाफ 6 जुलाई को गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। बीएनएस की धारा 69 में एफआईआर दर्ज हुई है।

20 वर्षों की तपिश के बाद मोहल्ला पूरनमल में टोटी में बहा पानी

पीलीभीत। शहर के वार्ड 25 के मोहल्ला पूरनमल के निवासियों के चेहरे खुशी से खिल उठे जब 20 वर्ष से भी अधिक समय के बाद उनके घरों की टोटियों से पानी की धार बहने लगी। लंबे समय से पेयजल की समस्या से जूझ रहे मोहल्ले के लोगों ने नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, सभासद साकेत सक्सेना और जलकल विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

पिछले 20 वर्षों की पीड़ा, घोटाले की मार

मोहल्ला पूरनमल में पिछले दो दशकों से घरों की टोंटियां सूखी पड़ी थीं। पुराने पाइपलाइन होने के बावजूद पानी नहीं आता था। अमृत योजना के तहत लगभग 5 वर्ष पहले नई पाइपलाइन डाली गई और नए कनेक्शन दिए गए, लेकिन घरों में पानी नहीं पहुंच सका। मामले में जल निगम के ठेकेदारों द्वारा काम में खामियां बरतने के कारण योजना का लाभ मोहल्ले के लोगों तक नहीं पहुँच पाया।

लोकप्रतिनिधियों की पहल से मिली उम्मीद

हाल ही में मोहल्ले के लोगों ने नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल और सभासद साकेत सक्सेना से घरों तक पानी पहुँचाने की मांग की। इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष ने जलकल विभाग को तुरंत कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। अवर अभियंता राजरानी और सभासद साकेत सक्सेना ने मोहल्ले में गली-गली जाकर निरीक्षण किया और पाइपलाइन की स्थिति का आकलन किया।

जलकल विभाग के प्रभारी तारिक हसन खान और पूर्व जलकर प्रभारी सेवानिवृत्त राकेश कुमार के अनुभव का लाभ उठाते हुए इमरान और मोहम्मद मियां ने लगातार दो-तीन दिन तक जगह-जगह पाइपलाइन की जांच की। कर्मचारियों की कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार कल दोपहर मोहल्ले के घरों में पानी की तेज धार बहने लगी।

निवासियों का आभार और सकारात्मक संदेश

मोहल्ले के लोग नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, सभासद साकेत सक्सेना और जलकल विभाग के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए खुशी जता रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि नेतृत्व में सक्रियता, जनता के बीच जाकर समस्या का निरीक्षण और कर्मठ कर्मचारियों की मेहनत ने इस लंबे समय की समस्या का समाधान किया।

डॉ. आस्था अग्रवाल की सक्रियता और चुनौती

बताते चले कि नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल न केवल मोहल्ला पूरनमल में बल्कि पूरे जनपद में जनसुविधाओं के बेहतर वितरण के लिए लगातार भ्रमण और निरीक्षण करती रहती हैं।
इसके बावजूद उनकी ही पार्टी के कुछ लोग उनके कार्यों की आलोचना में लगे रहते हैं। मोहल्ले की इस सफलता ने स्पष्ट कर दिया है कि सही नेतृत्व, जनता की भागीदारी और कर्मठ अधिकारी किसी भी पुरानी समस्या को हल कर सकते हैं।

पीलीभीत नगर पालिका पर सभासदों का हल्ला, डीएम से की शिकायत

भ्रष्टाचार, बजट अनियमितता और नेहरू पार्क घोटाले पर जताई नाराज़गी

पीलीभीत। नगर पालिका की कार्यशैली से नाराज़ 14 सभासदों का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने भ्रष्टाचार, सड़क और लाइट व्यवस्था की बदहाल स्थिति, नालों के निर्माण में धांधली और नेहरू पार्क घोटाले को लेकर प्रशासन के प्रति कड़ी नाराज़गी जताई। सभासदों ने आरोप लगाया कि लगातार शिकायतों के बावजूद जिला प्रशासन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा सका है।

सभासदों ने डीएम से कहा कि अप्रैल से अगस्त तक नगर पालिका का बजट पारदर्शी ढंग से प्रस्तुत नहीं किया गया। उनका आरोप था कि विरोध के बावजूद जबरन बजट पास दिखाया जा रहा है।
उन्होंने मांग की कि जनहित में बजट को निरस्त कर नई बैठक बुलाई जाए और उसमें किसी प्रशासनिक अधिकारी को नामित किया जाए।

नेहरू पार्क प्रकरण में ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग

नेहरू पार्क में शिलापट तोड़े जाने और शेर, चीतल, मोर व हिरण की प्रतिमाओं को हटाए जाने पर भी सभासदों ने सख्त आपत्ति जताई। उनका कहना था कि यह काम सीधे तौर पर ठेकेदार की लापरवाही है। सभासदों ने मांग की कि नई तहरीर देकर ठेकेदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने इस मामले में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को तत्काल निर्देश जारी किए।

जनता परेशान, हम मजबूर

सभासदों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी जनहित की मांगों पर विचार नहीं हुआ तो वे नगर विधायक व प्रदेश सरकार के मंत्री संजय सिंह गंगवार से सीधे हस्तक्षेप की गुहार लगाएंगे। साथ ही कहा कि जरूरत पड़ी तो घेराव करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।
उन्होंने कहा कि पूरा शहर गड्ढों से भरा पड़ा है, लाइट व्यवस्था ठप है और जनता आए दिन परेशान है। जनता हमसे शिकायत करती है और हम मारे-मारे घूम रहे हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। मजबूर होकर हमें शासन का दरवाज़ा खटखटाना ही पड़ेगा।
इस अवसर पर सभासदों में पुष्पा उपाध्याय, शिवम श्रीवास्तव, महनाज बेगम, एहतिशाम वली खां, शिखा वर्मा, रत्नाशुक्ला, राजेंद्र कुमार भारती, सुरेश कुमार लोधी, माया देवी, श्याम लता, उषा देवी, चैतन्य गंगवार मौजूद रहें।

दुर्घटना के दोषी को एक साल की सजा

ललितपुर। दुर्घटना के दोषी को एक साल की सजा पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशन में, पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक द्वारा जनपद में चिन्हित अभियोगों में अपराधियों को शीघ्र अधिक से अधिक सजा दिलाये जाने हेतु प्रभावी पैरवी के लिये सम्बन्धित थाना प्रभारी व पैरोकारों को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में अभियुक्त बहीद खाँ पुत्र गफूर खाँ नि0 मोहल्ला नदीपुरा थाना कोतवाली व ललितपुर के विरूद्ध थाना मड़ावरा में मु0अ0सं0 511/2007 धारा 279/337/338/30ए आईपीसी का अभियोग पंजीकृत हुआ था जिसमें डेडीकेटेड टीम गठित कर वैज्ञानिक व तथ्यपरक साक्ष्यों के आधार पर समयवद्ध व गुणवत्तापूर्ण विवेचना संपादित कर अभियुक्त के विरूद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया था। उपरोक्त प्रकरण की निरन्तर प्रभावी पैरवी करवायी गयी जिसमें थाना मड़ावरा पुलिस, कोर्ट पैरोकार व अभियोजन पक्ष के द्वारा अथक प्रयास एवं प्रभावी पैरवी करते हुए दिनांक 20.08.2025 को मा0 न्यायालय ACJM महरौनी जनपद ललितपुर द्वारा अभियुक्त बहीद खाँ उपरोक्त को दोषी पाते हुए 01 वर्ष के कारावास व 4500/- रूपये की धनराशि के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

गौकशी के आरोप में दो आरोपी दबोचे, उपकरण और बाइक बरामद

पीलीभीत। जनपद में अपराध नियंत्रण और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पूरनपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना क्षेत्र में गौकशी में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से गौकशी के उपकरण और एक बाइक बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है।
16 अगस्त की रात थाना पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम जसवन्तपुर के पास खेतों में गौवंशीय पशु के अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया था। इस मामले में थाना पुलिस ने मुकदमा संख्या 507/2025 धारा 3/5/8 सीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।
पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देश पर गठित टीमों ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान 1- मोहदसन राज उर्फ कल्लू पुत्र बाबू खां निवासी ग्राम जौपुर गहलुई थाना पूरनपुर, 2- मेहबूब बेग पुत्र रियाज बेग निवासी ग्राम जौपुर गहलुई थाना पूरनपुर के रूप में हुई। आरोपियों के पास से गौकशी में प्रयुक्त उपकरण और एक बाइक (हीरो एचएफ डीलक्स) बरामद हुई।
पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि 16 अगस्त की रात उन्होंने अपने साथियों नाइम खां, गौस मोहम्मद और बाबू बेग के साथ मिलकर गौकशी कर मांस बेचने की योजना बनाई थी। गौमांस को सुरक्षित रखने के लिए उपकरण भी छिपाकर रखे गए थे।
आरोपियों ने यह भी कबूला कि वे भविष्य में भी गौकशी करने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं और इनके खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। मोहदसन राज उर्फ कल्लू के खिलाफ हत्या के प्रयास, गौकशी, चोरी और गैंगस्टर एक्ट समेत 9 मुकदमे दर्ज हैं। मेहबूब बेग के खिलाफ गौकशी, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और गौवध अधिनियम समेत 8 मुकदमे दर्ज हैं।

प्रयागराज में बेटे संग महिला ट्रेन के आगे कूदी

प्रयागराज। प्रयागराज के सोरांव इलाके में एक महिला ने अपने छह साल के बेटे के साथ ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। घटना गंगापार के सोरांव थाना क्षेत्र के सघनगंज रेलवे स्टेशन के पास की है। ट्रेन जाने के बाद आसपास के लोग पहुंचे तो रेलवे ट्रैक पर दोनों के शव पड़े मिले। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पूछताछ की, लेकिन अब तक महिला और उसके बेटे की शिनाख्त नहीं हो सकी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला काफी देर से रेलवे ट्रैक के आसपास घूम रही थी। उसके हाथ में एक पॉलिथीन थी। फिलहाल पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर शिनाख्त की कोशिश शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है लेकिन अभी तक महिला और बच्चे की पहचान नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला बाहर की लग रही थी, क्योंकि इलाके में उसे पहले कभी नहीं देखा गया। पुलिस आसपास के थानों से भी संपर्क कर रही है और महिला की पहचान के लिए गुमशुदगी की तहरीरों को खंगाला जा रहा है। सोरांव पुलिस का कहना है कि शिनाख्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह आत्महत्या है या किसी और वजह से महिला को यह कदम उठाना पड़ा, इसकी जांच की जा रही है। सोरांव इंस्पेकटर केशव वर्मा का कहना है कि आसपास के सीसीटीवी कैमरों को देखा जा रहा है कि महिला किस रास्ते से आई, किस वाहन से उतरी ताकि पहचान कराई जा सके।

स्कूली छात्र आदित्य की हत्या का मामला पकड़ा तुल

छात्र के परिजनों और बड़ी संख्या में लोगो ने किया प्रदर्शन

हरिनारायण यादव विशाल इंडिया

गाजीपुर। सनबीम स्कूल में छात्र आदित्य की हत्या को लेकर परिजनों के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन को पत्रक सौंपा। परिजनों ने आरोपियों को कड़ी सजा के साथ ही स्कूल प्रशासन पर भी कार्यवाही की मांग की। मालूम हो कि 18 अगस्त की सुबह छात्रों के बीच मारपीट के बाद चाकूबाजी में आदित्य वर्मा नाम के छात्र की मौत हो गई थी। इस घटना में कई अन्य छात्र भी घायल हुए थे। पुलिस ने नौवीं कक्षा के आरोपी दो छात्रों को जुवेनाइल कोर्ट में पेश कर बाल सुधार गृह भेज दिया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद 15-20 मिनट तक खून से लथपथ छात्र को स्कूल में ही रखा गया। समय पर अस्पताल न ले जाने के कारण अधिक रक्तस्राव से उसकी मौत हुई।
प्रदर्शन के दौरान व्यापार मंडल और स्वर्णकार संघ ने पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी से मुलाकात की है। उनका कहना है कि तीन दिन बीत जाने के बाद भी न तो जिला प्रशासन और न ही स्कूल प्रशासन का कोई जिम्मेदार व्यक्ति पीड़ित परिवार से मिला है।
व्यापारी संगठनों ने स्कूल प्रशासन की लापरवाही को मौत का कारण बताते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही स्कूल की मान्यता रद्द करने की भी मांग की है। प्रदर्शन में शामिल मृतक आदित्य के पिता शिवजी वर्मा ने आरोपियों को आजीवन कारावास के साथ ही स्कूल प्रशासन पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है।
मृतक की मां ने मीडिया से बातचीत करते हुए चेतावनी दी है कि न्याय नहीं मिलने पर वे मुख्यमंत्री से मिलने लखनऊ जाएंगी। यदि वहां से भी न्याय नहीं मिला तो विद्यालय के सामने आत्मदाह कर लेंगी।
प्रदर्शनकारियों ने जिला मुख्यालय पर जमकर नारेबाजी की। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय और जिलाधिकारी कार्यालय में पत्रक सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स भी तैनात रही। जिला प्रशासन रफा दफा करने की कोशिश कई दिनों के बाद भी स्कूल पर कार्रवाई नहीं न कोई गिरफ्तारी आखिर कौन है जिम्मेदार।

बाघ एक्सप्रेस पहुंची ग्राम - माधव टांडा और बाराही बसंतपुर नौनेर

नुक्कड़ नाटक कर लोगों को बताया मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व के बारे में

पीलीभीत। आज मानव और वन्यजीवों के सहअस्तित्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाई जा रही बाघ एक्सप्रेस जागरूकता अभियान के तहत आज यह अभियान माधव टांडा और बाराही बसंतपुर नौनेर में पहुंचा। लोगों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया, पीलीभीत टाइगर रिजर्व और रूरूफाउंडेशन के सहयोग से चलाए जा रहे इस कार्यक्रम की सराहना की कार्यक्रम में लगभग 350 लोगों ने प्रतिभाग किया। माधव टांडा के विद्या निकेतन स्कूल के बच्चे भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे इसमें अधिकांश बच्चे सिख परिवारों से थे जो झालो पर रहते हैं कार्यक्रम के दौरान बाघ एक्सप्रेस में लगी टीवी के माध्यम से मानव और वन्यजीवो के सहअस्तित्व से जुड़ी छोटी-छोटी फिल्म, नुक्कड़ नाटक और संवाद सत्रों के माध्यम से स्थानीय लोगों को वन्यजीव संरक्षण और उनके साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का संचालन बाघ मित्र राजीव कुमार के द्वारा किया गया, बाघ मित्रों का सहयोग बहुत ही सराहनीय रहा, बाघ मित्र सानविल हुसैन, अतुल सिंह, राम अवतार, मथुरा प्रसाद जमुना प्रसाद शर्मा मौजूद रहे साथ ही सामाजिक वानिकी पूरनपुर से माधव टांडा में निपेंद्र कुमार भी मौजूद रहें। इस पहल के तहत कलाकारों ने रोचक और शिक्षाप्रद नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए, जिनमें वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा, मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ते खतरे और बाघों सहित अन्य वन्यजीवों के संरक्षण की जरूरत पर प्रकाश डाला गया। स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की और किसानों, महिलाओं बच्चों और युवाओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

बिना सूचना गायब 7 डॉक्टर बर्खास्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिना सूचना लगातार गैरहाजिर रहने वाले सात डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी है। डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने इन डॉक्टरों को सेवा से बर्खास्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, लापरवाही और नियमों की अनदेखी करने वाले अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया गया है। डिप्टी सीएम ने बताया कि झांसी जिला चिकित्सालय के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकुल मिश्र, अमेठी के बाजार शुक्ल सीएचसी के डॉ. विकास कुमार मिश्र, जगदीशपुर सीएचसी के डॉ. विकलेश कुमार शर्मा, बरेली सीएमओ कार्यालय के डॉ. दीपेश गुप्ता, सीतापुर मिश्रिख सीएचसी की गायनोलॉजिस्ट डॉ. श्वेता सिंह, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विक्रांत आनंद और हाथरस जिला चिकित्सालय के पैथोलॉजिस्ट डॉ. मोहम्मद राफे लंबे समय से बिना सूचना गैरहाजिर हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

सुनगढ़ी मोहल्ले में विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस धूमधाम से संपन्न

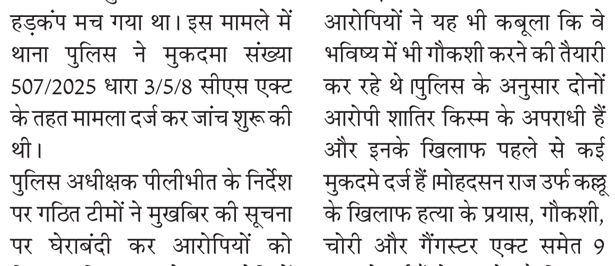

पीलीभीत। विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस खंड सुनगड़ी में नगर अध्यक्ष महेश पाठक की अध्यक्षता में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने हिंदू समाज से जुड़े समसामयिक मुद्दों पर अपने विचार रखे।
कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्रीकृष्ण गंगवार ने लव जिहाद, बहनों की सुरक्षा, धर्मांतरण और लैंड जिहाद जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए समाज को जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों का मुकाबला संगठन की एकजुटता और सामाजिक चेतना से ही संभव है। महिला जिला उपाध्यक्ष अन्नू चौधरी ने हिंदू संस्कृति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमें अपने संस्कारों और परंपराओं को सहेजकर नई पीढ़ी को संस्कारित करना चाहिए। उन्होंने महिलाओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया। जिला मंत्री प्रवीन मोहन ने अपने संबोधन में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का उल्लेख किया और कहा कि विश्व हिंदू परिषद सदैव हिंदू हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत करने की अपील की। कार्यक्रम का सफल आयोजन नगर अध्यक्ष महेश पाठक के नेतृत्व में हुआ। अंत में सभी उपस्थित बंधुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

शार्ट न्यूज

विवाहिता ने लगाई फांसी, मौके पर मौत

विशाल इण्डिया पूनम तिवारी

अंबेडकर नगर। महरुआ थाना क्षेत्र के हुसेनपुर हीडी गांव में गुरुवार को अंजलि उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्री ईश्वर प्रसाद ने फांसी लगा लिया, और अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया। मृतका का विवाह 2 वर्ष पूर्व भीटी थाना क्षेत्र के बड़ेरिया गांव में हुआ था कुछ दिन पहले अपने मायके हुसैनपुर हीडी में आई थी। ग्रामीणों की सूचना पर महरुआ थाना अध्यक्ष मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। आत्महत्या के सभी पहलुओं की महरुआ पुलिस जांच कर रही है।

एसपी ने किया पुलिस बूथ का उद्घाटन

पूनम तिवारी विशाल इण्डिया

अम्बेडकरनगर। भीटी सर्किल के थाना अहिरौली क्षेत्र अंतर्गत यादव नगर तिराहा पर नवनिर्मित पुलिस बूथ का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक केशव कुमार द्वारा विधिवत रूप से किया गया। उक्त पुलिस बूथ का निर्माण क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने, जनता को त्वरित पुलिस सहायता प्रदान करने, अराजक तत्वों, चोर लुटेरों तथा कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने बताया कि जनपद की सीमा होने के नाते यहां पर पुलिस की विशेष सक्रियता से अपराध हुआ अपराधियों पर सुदृढ़ नियंत्रण बना रहेगा। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) हरेन्द्र कुमार, क्षेत्राधिकारी भीटी लक्ष्मीकांत मिश्रा, थानाध्यक्ष अहिरौली सुनील कुमार पाण्डेय, थाना अध्यक्ष महरुआ यादवेंद्र सोनकर, अन्य पुलिस अधिकारीगण, पुलिस बल के जवान, तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गैंग रेप के आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

भीटी इंस्पेक्टर ने आरोपियों पर कसी नकेल

विशाल इंडिया पूनम तिवारी

अंबेडकर नगर। गुरुवार को भीटी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी सुबह लगभग 9: 00 बजे भीटी थाने पर पंजीकृत मुकदमा गैंगरेप में वांछित चल रहे मोहम्मद कैफ कुरेशी पुत्र हकीक उल्लाह, मोहम्मद अशरफ पुत्र रफीक ग्राम रावनडीह को जब भीटी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भीटी थाने की एक नाबालिक बालिका के साथ उक्त दोनों आरोपियों ने बहला फुसला कर पिछले 5 महीने से दुष्कर्म किया, इस दौरान पीड़िता नाबालिक जब गर्भवती हो गई तो इसकी शिकायत संबंधित थाने पर की गई जहां पर गैंगरेप सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। जिसकी तलाश में भीटी पुलिस बड़ी तत्परता से जुटी थी। गुरुवार सुबह लगभग 9:00 बजे मुखबिर की सूचना पर चनहा चौराहे के पास ओनी की बगिया के पास दोनों शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार करता टीम में प्रमुख रूप से अपराध निरीक्षक अतुल कुमार श्रीवास्तव हेड कांस्टेबल का तारकेश्वर पासवान, कांस्टेबल गुलाम गौस शामिल रहे।

तीन वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ललितपुर। मड़ावरा पुलिस ने वांछित चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मड़ावरा के0 के0 मिश्र के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, थाना मड़ावरा पुलिस द्वारा तीन वारण्टी अभियुक्तगण, कोमल पुत्र कूरा प्रेम पुत्र कूरा निवासीगण ग्राम सौरई थाना मडावरा ललितपुर सम्बन्धित न0मु0 244/24 धारा 323/504/506/325 भादवि मेघराज लोधी पुत्र अर्जुन निवासी ग्राम गोराकला थाना मडावरा ललितपुर सम्बन्धित एसएसटी नं0-100009/2019 धारा 323/504/506 भादवि व एससी/एसटी एक्ट मे सम्बन्धित गांवों से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाले टीम उ.नि. रामकृपाल सिंह उ.नि. सोनू कुमार हे.कां. नरेन्द्र सिंह आदि शामिल रहे।

एंटी करप्शन ने बिजली कर्मी को घूस लेते पकड़ा

मुरादाबाद। मुरादाबाद में बिजली विभाग की टीम ने एक संविदा बिजली कर्मी को 5500 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। संविदा कर्मी ने जिस क्लर्क के लिए रिश्वत ली थी वो एंटी करप्शन टीम को देख मौके से फरार हो गया। घूस की ये रकम एक घरेलू कनेक्शन करने के नाम पर ली गई थी। एंटी करप्शन ब्यूरो ने रकम लेते पकड़े गए संविदा कर्मी अंकुश शर्मा और मौके से भागे क्लर्क राजीव सैनी के खिलाफ स्नद्बक्रदर्ज कराई है। मामला मुरादाबाद में जीआईसी बिजली सब स्टेशन से जुड़ा है। मुगलपुरा जामा मस्जिद निवासी अफजाल हुसैन ने एंटी करप्शन ब्यूरो के दफ्तर में जाकर शिकायत की थी। उसने कहा था कि संविदा बिजली कर्मी अंकुश शर्मा 2 किलोवाट का घरेलू बिजली कनेक्शन कराने और मीटर जल्दी लगवाने के नाम पर 5 हजार रुपए रिश्वत मांग रहा है।

राशन डीलर और दलाल के बीच मारपीट

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के जिला कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को जन सुनवाई के दौरान राशन डीलर और दलाल के बीच विवाद ने तूल पकड़ लिया। राशन डीलर इसरार ने दलाल नोमान को थप्पड़ जड़ दिए। घटना उस समय हुई जब जिलाधिकारी कार्यालय में जन सुनवाई चल रही थी। वाटर कूलर के पास खड़े दोनों व्यक्तियों में कहासुनी शुरू हुई। इसरार ने नोमान पर थप्पड़ों की बौछार कर दी। इतना ही नहीं, वह नोमान को खींचते हुए पूर्ति कार्यालय के अंदर ले गया और वहां भी उसकी पिटाई की। इसरार का आरोप है कि नोमान हर काम के लिए अवैध रूप से पैसे मांगता है। मारपीट के दौरान नोमान केवल बचाव करता रहा। कुछ देर बाद पूर्ति विभाग का एक कर्मचारी इसरार को बाहर ले गया। नोमान परिसर से दूसरी दिशा में निकल गया।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया और इस्राइल के बीच पेरिस में दुर्लभ बैठक

डमस्कस, एजेंसी। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया है कि सीरिया के विदेश मंत्री ने पेरिस में इस्राइल के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ एक दुर्लभ बैठक की है। समाचार एजेंसी सना के अनुसार, विदेश मंत्री असद अल-शिबानी ने मंगलवार को इस्राइली अधिकारियों से बातचीत की। दोनों पक्षों ने तनाव कम करने और 1974 के युद्धविराम समझौते को फिर से लागू करने पर चर्चा की। दिसंबर में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद से सीरिया और इस्राइल के रिश्तों में तनाव काफी बढ़ गया है। इज़राइल ने दक्षिणी सीरिया में अपनी जमीनी सेना भेजी है और देशभर में कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं।

अमेरिकी न्याय विभाग अपराध के आंकड़ों में हेराफेरी की कर रहा जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या वाशिंगटन डीसी के पुलिस अधिकारियों ने अपराध के आंकड़ों में हेराफेरी की है। यह जानकारी ऐसे व्यक्ति ने दी है जो जांच के बारे में जानता है, लेकिन उसे सार्वजनिक रूप से बोलने की अनुमति नहीं है। यह जांच उस समय हो रही है जब ट्रंप प्रशासन और वॉशिंगटन शहर की सरकार के बीच पुलिस विभाग पर नियंत्रण को लेकर राजनीतिक टकराव बढ़ रहा है। अभी यह साफ नहीं है कि अगर अपराध के आंकड़ों में हेरफेर हुआ तो वह किन संघीय कानूनों के खिलाफ होगा। मेयर कार्यालय ने इस पर कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने सबसे पहले इस जांच की खबर दी थी। वहीं, एनबीसी वॉशिंगटन ने बताया कि इस साल की शुरुआत में, अपराध के आंकड़ों से छेड़छाड़ के शक में मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को सवेतन प्रशासनिक छुट्टी पर भेज दिया गया था।

उत्तरी कैरोलिना में कार गैस लाइन से टकराई, नए पशु अस्पताल में विस्फोट

रैलीघ, एजेंसी। उत्तरी कैरोलिना में मंगलवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) एक नए पशु अस्पताल में विस्फोट हो गया। यह हादसा तब हुआ जब एक कार सड़क से फिसलकर अस्पताल की गैस पाइपलाइन से टकरा गई। विलमिंगटन पुलिस के प्रवक्ता ग्रेग विलेट ने बताया कि यह अस्पताल अभी निर्माणाधीन था। कार गैस लाइन से टकराने के करीब 20 मिनट बाद जोरदार विस्फोट हुआ। कार चालक मौके से भाग गया था, इसलिए इसे हिट एंड रन का मामला माना गया। दमकल विभाग की प्रवक्ता रेबेका थर्स्टन ने बताया कि हादसे के बाद इमारत तुरंत खाली करा ली गई थी। दमकलकर्मी यह सुनिश्चित करने के लिए अंदर जांच कर ही रहे थे कि सब लोग बाहर निकल चुके हैं, तभी विस्फोट हो गया। इसमें तीन दमकलकर्मी घायल हुए। दो को मामूली चोटें आईं, जबकि एक के हाथ और बाजू बुरी तरह झुलस गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दक्षिण सागर में चीन ने अपने ही युद्धपोत को मारी टक्कर

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन सागर में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के लिए चीन आक्रामक होकर अन्य देशों पर दबाव बढ़ा रहा है। इसी प्रयास में 11 अगस्त को फिलीपीन के जहाज का पीछा करने के दौरान चीन के दो युद्धपोत ही आपस में टकरा गए, जिसमें एक जहाज का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चीन ने अब तक इस घटना को छिपाए रखा पर एक वीडियो के बाद उसकी पोल खुल गई। चीन को शर्मिंदा करने वाली यह घटना स्कारबोरो शोल से 10 समुद्री मील की दूरी पर हुई। स्कारबोरो शोल फिलीपीन के आर्थिक क्षेत्र में आता है, पर 2012 में चीन ने इस पर कब्जा कर लिया, जिसे लेकर दोनों नौसेनाओं में तनाव रहता है। 11 अगस्त को चीनी तटरक्षक बल का जहाज पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के विध्वंसक से भिड़ गया।

एअर कनाडा का हड़ताल खत्म करने को संघ से समझौता

कनाडा , एजेंसी। एअर कनाडा के 10,000 फ्लाइट अटेंडेंट के संघ ने मंगलवार तड़के कहा कि हड़ताल खत्म करने को एक अस्थायी समझौता हो गया है। हाल ही में शुरू इस हड़ताल से प्रतिदिन लगभग 1.30 लाख यात्री प्रभावित हो रहे थे। संघ ने कहा, यह समझौता सदस्यों को विमानों के उड़ान भरने के दौरान किए गए काम के लिए भुगतान की गारंटी देगा। इस तरह एक प्रमुख मुद्दा हल हो गया है।

यूक्रेन पर नया रोड़ाः जेलेंस्की चाह रहे युद्धविराम ट्रंप-पुतिन रट रहे शांति समझौते का राग

वाशिंगटन, एजेंसी। एक हफ्ते के अंदर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी मंशा साफ कर दी है कि वह हर हाल में यूक्रेन युद्ध रोकना चाहते हैं लेकिन हफ्ते भर के अंदर हुई इन हाई प्रोफाइल मुलाकातों के दौरान ट्रंप ने युद्धविराम की बात करते-करते अब शांति वार्ता की राह पकड़ ली है। दरअसल, उनके स्टैंड में आए इस बदलाव के पीछे रूसी राष्ट्रपति पुतिन हैं, जो यूक्रेन के साथ युद्धविराम नहीं बल्कि शांति वार्ता चाहते हैं।

सोमवार को जब वाइट हाउस में सात यूरोपीय नेताओं के साथ ट्रंप से जेलेंस्की मिलने पहुंचे तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पष्ट शब्दों में यूक्रेन में युद्धविराम के अपने पुराने आह्वान यानी युद्धविराम को त्यागकर, पुतिन के स्थायी शांति समझौते के प्रयासों का समर्थन किया। हालाँकि, कुछ यूरोपीय नेताओं ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि पहले अस्थायी युद्धविराम लागू किया जाए। **यूरोपीय देशों को क्या डर?** ऐसा भी नहीं है कि यूक्रेन और यूरोपीय सहयोगी देश क्षेत्र में शांति नहीं चाहते लेकिन वे समझ रहे हैं कि शांति वार्ता की आड़ में रूस जिस तरह का समझौता चाहता है, वह तब तक संभव नहीं है, जब तक कि वैश्विक व्यवस्था के सबसे बुनियादी सिद्धांत लागू न हों। कीव और उसके सहयोगियों का स्पष्ट मानना है कि कोई देश शांति वार्ता के नाम पर अपनी मनचाही चीज़ें बलपूर्वक ना तो पा सकता है और ना ही उसे नजरअंदाज करने दिया जा सकता है। दरअसल, कीव के यूरोपीय सहयोगी रूस द्वारा प्रचारित जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि उन्हें भय है कि वे रूसी हमले का अगला निशाना बन सकते हैं। सोमवार को ओवल ऑफिस में यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की और कई यूरोपीय नेताओं से बात करते हुए, ट्रम्प ने मॉस्को के तर्कों का समर्थन किया और सवाल किया कि अगर स्थायी और व्यापक शांति समझौता हो सकता है तो अस्थाई युद्धविराम की क्या जरूरत है? ऐसे में यह समझना जरूरी है कि दोनों

(युद्धविराम और शांति समझौता) में क्या बड़ा अंतर है?

क्या होता है युद्धविराम? युद्धविराम, दरअसल युद्ध के दौरान वैसी स्थिति है, जिसमें युद्धरत पक्ष लड़ाई बंद करने पर सहमत होते हैं और प्रत्येक पक्ष अपने सैन्य नियंत्रण वाले क्षेत्र पर कब्ज़ा बनाए रखता है। आम तौर पर यह माना जाता है कि यह विराम अस्थायी होता है और इस दौरान दोनों पक्ष आपसी बातचीत करते हैं या मानवीय सहायता पहुँचाने या नागरिकों को निकालने के अवसर के रूप में उस अवधि का इस्तेमाल करते हैं। युद्धविराम अल्पकालिक से दीर्घकालिक तक हो सकता है। जैसे 1914 का क्रिसमस युद्धविराम जो कुछ दिनों तक चला था। युद्धविराम के ऐसे भी उदाहरण हैं जो दशकों तक चले हैं। जैसे साइप्रस और तुर्की के बीच और भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से युद्धविराम लागू है, लेकिन इन देशों के बीच कोई स्थायी शांति समझौता नहीं हो सका है।

क्या होता है शांति समझौता? अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, शांति समझौता एक औपचारिक, दीर्घकालिक संधि होती है जो दो देशों के बीच भविष्य के संबंधों को निर्धारित करती है। इसके तहत विरोधी देश पर कब्जे वाले क्षेत्र को पूर्ण या आंशिक तौर पर छोड़ने पर सहमति बनती है। यूक्रेन जंग में पुतिन और ट्रंप जो चाहते हैं, वह शांति समझौता है लेकिन उनकी शर्तें ऐसी हैं जो इसे जटिल बना देती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय कानून का एक मूल सिद्धांत है जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर में सबसे ऊपर अंकित है। इसके अनुसार, किसी भी पक्ष द्वारा बल प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इसलिए इसका यह भी अर्थ है कि बल प्रयोग द्वारा प्राप्त की गई कोई भी संधि प्रभावी रूप से अवैध है।

शांति समझौते की राह में रोड़ा कहां? पिछले सप्ताह हुई ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के दौरान शांति वार्ता के जिस रूप पर कथित तौर पर चर्चा हुई है, उस पर यूरोप और यूक्रेन को ऐतराज है। पुतिन अपनी कुछ ऐसी मांगों पर अड़े हुए हैं जो अड़चनें पैदा कर रही हैं। 'द गार्जियन' के अनुसार रूसी राष्ट्रपति ने कथित तौर पर अपने अमेरिकी समकक्ष से कहा कि वह डोनेट्स्क और लुहान्स्क पर पूर्ण नियंत्रण के बदले में सभी शत्रुताएँ समाप्त करने को तैयार हैं।

इलके अलावा क्रेमलिन ने युद्ध समाप्त करने और शांति समझौता करने के लिए जो शर्तें रखी हैं, उनमें यूक्रेन का नाटो में शामिल न होना, उसका विसैन्यीकरण और नाजी-मुक्ति, अन्य देशों द्वारा हथियारों के निर्यात पर रोक, तथा डोनेट्स्क, लुहांस्क, ज़ापोरीज्जिया और खेरसॉन के बहुसंख्यक रूसी भाषी क्षेत्रों को क्षेत्रीय रियायतें देना, तथा क्रीमिया को रूस का हिस्सा मानने की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता शामिल है। माना जा रहा है कि इन शर्तों पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मुताबिक शांति समझौता होना मुश्किल है।

रिटायर्ड फायर इंस्पेक्टर मार्क वॉरेन को पुतिन ने गिफ्ट की 22 लाख की बाइक

मास्को, एजेंसी। अलास्का के रहने वाले रिटायर्ड फायर इंस्पेक्टर मार्क वॉरेन अचानक अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें 22,000 डॉलर करीब 18 लाख रुपये की नई उरल मोटरसाइकिल उपहार में दी है। 9 अगस्त को एंकोरेज में हुए पुतिन-ट्रंप शिखर सम्मेलन की कवरेज के दौरान रूस के टीवी चैनल ऋश्चह्यह्यद्ध4ड्ड 1 की टीम ने वॉरेन से बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने अपनी पुरानी उरल मोटरसाइकिल दिखाते हुए कहा कि प्रतिबंधों के कारण उन्हें पार्ट्स नहीं मिल पा रहे हैं और गलती से यह भी कह दिया कि इसकी फैक्ट्री यूक्रेन में है। उनका यह बयान रूस में वायरल हो गया और कुछ ही दिनों बाद पुतिन ने उन्हें नई बाइक भेंट कर दी। 15 अगस्त को एंकोरेज स्थित लेकफ्रंट होटल की पार्किंग में रूसी दूतावास के अधिकारी आंद्रेई लेदेनेव ने वॉरेन को नई मोटरसाइकिल की चाबी सौंपी। लेदेनेव ने कहा, ÷यह राष्ट्रपति पुतिन की ओर से व्यक्तिगत उपहार है।÷ रूसी टीवी चैनलों पर वॉरेन को नई मोटरसाइकिल चलाते हुए भी दिखाया गया। **कौन हैं मार्क वॉरेन?** मार्क वॉरेन जीवनभर अलास्का में रहे और मोटरसाइकिलों के शौकीन हैं। अक्सर अपनी पोती के साथ सवारी करते हैं। पुरानी उरल उन्होंने एक पड़ोसी से खरीदी थी। रूसी मीडिया ने उन्हें पश्चिमी प्रतिबंधों के शिकार साधारण अमेरिकी नागरिक के रूप में पेश किया। हालांकि, उरल मोटरसाइकिल कंपनी ने स्पष्ट किया कि उसका मुख्यालय अब अमेरिका के वॉशिंगटन में है और उत्पादन 2022 में कजाकिस्तान ट्रांसफर कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने पुतिन की इस पहल को कूटनीति का नया अंदाज बताया। वहीं आलोचकों ने इसे क्रेमलिन की प्रचार रणनीति कहा। आलोचकों ने यह भी याद दिलाया कि पुतिन पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (द्बष्टष्ट) ने युद्ध अपराधों के मामले में वारंट जारी कर रखा है। **वॉरेन का जवाब** वॉरेन ने विवाद को नजरअंदाज करते हुए कहा, ÷मैंने बहुतों को नाराज कर दिया, लेकिन मुझे परवाह नहीं। ये बाइक शानदार है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह किसी भी तरह से क्रेमलिन के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। वॉरेन ने कहा, उन्हें मुझसे कुछ नहीं मिलेगा।÷ वॉरेन अब अपनी पुरानी बाइक बेचने की योजना बना रहे हैं। उनके लिए यह नई मोटरसाइकिल बस एक बेहतर सवारी है।

चीनी कंपनी टिकटॉक पर दिखेंगे डोनाल्ड ट्रंप, वाइट हाउस का ऑफिसियल अकाउंट शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन के प्रति प्रेम एक बार फिर सामने आया है। चीन से लगाव रखने और भारत पर टैरिफ लगाने वाले ट्रंप अब टिकटॉक पर दिखाई देंगे। दरअसल, वाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय) ने मंगलवार को टिकटॉक पर अपना अकाउंट शुरू किया। यह कदम तब उठाया गया जब अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य और वैधता पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। इस लोकप्रिय वीडियो शेयरिंग ऐप पर अपनी पहली पोस्ट में वाइट हाउस ने 27 सेकंड का एक क्लिप साझा किया और कैप्शन में लिखा कि अमेरिका हम वापस आ गए हैं। **क्या टिकटॉक अमेरिका में चल रहा है?** वीडियो पोस्ट करने के कुछ ही घंटों में अकाउंट पर पांच हजार से अधिक फॉलोअर्स हो गए। दूसरी ओर टिकटॉक पर डोनाल्ड ट्रंप के निजी अकाउंट पर 110.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

उनकी आखिरी पोस्ट 5 नवंबर, 2024 को की गई थी, जिस दिन अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या टिकटॉक अमेरिका में चल रहा है? बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप का टिकटॉक के साथ प्रेम और नफरत का रिश्ता है। नफरत की वजह यह है कि टिकटॉक एक चीनी कंपनी है, और ट्रंप नहीं चाहते कि अमेरिकी नागरिकों का डेटा चीन जाए। ट्रंप ने एक कानून बनाया है। इस कानून के तहत टिकटॉक को अमेरिका में चलने के लिए किसी गैर-चीनी कंपनी को बेचना होगा, वरना उस पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। **टिकटॉक को किसी गैर-चीनी कंपनी ने नहीं खरीदा** हालांकि, अभी तक टिकटॉक को किसी गैर-चीनी कंपनी ने नहीं खरीदा, फिर भी यह अमेरिका में चल रहा है। टिकटॉक का स्वामित्व चीन की इंटरनेट कंपनी बाइटडांस के पास है। राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर टिकटॉक की बिक्री या प्रतिबंध से संबंधित एक कानून 20 जनवरी को लागू होने वाला था, उसी दिन ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभाला था। लेकिन ट्रंप को सोशल मीडिया से गहरा लगाव है। उनका 2024 का चुनावी अभियान सोशल मीडिया पर काफी हद तक निर्भर था। **सितंबर में समाप्त होने वाली है राहत** उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वह टिकटॉक के शौकीन हैं और उन्होंने अमेरिका में इस पर प्रतिबंध लगाने की प्रक्रिया को रोक दिया। जून में ट्रंप ने टिकटॉक के लिए गैर-चीनी खरीदार खोजने या अमेरिका में प्रतिबंधित होने की समय सीमा को 90 दिनों के लिए बढ़ा दिया। यह राहत सितंबर में समाप्त होने वाली है।

अफगानिस्तान में बस की हुई ट्रक और मोटर-साइकिल से भीषण टक्कर, 71 लोगों की मौत

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में मंगलवार को एक दिल दहलाने वाला रोड एक्सीडेंट हुआ। यह भीषण रोड एक्सीडेंट उस समय हुआ जब ईरान से लौटे प्रवासी अफगान नागरिकों को ले जा रही एक यात्री बस की एक मोटरसाइकिल और फिर एक फ्यूल से भरे ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। यह रोड एक्सीडेंट हेरात शहर के बाहर गुजारा जिले में हुआ। बस में सवार यात्री हाल ही में ईरान से निर्वासित किए गए अफगान नागरिक थे, जो इस्लाम कला बॉर्डर क्रॉसिंग से काबुल की ओर जा रहे थे। **71 लोगों की मौत-** इस भीषण रोड एक्सीडेंट में 71 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 17 बच्चे भी शामिल थे। मरने वालों में ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार 2-2 लोग भी शामिल थे। **हादसे का कारण और आग लगना-** प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता अहमदुल्लाह मुत्ताकी ने बताया कि हादसा हेरात शहर के बाहर गुजारा जिले में बस की अत्यधिक गति और लापरवाही के कारण हुआ. बस पहले मोटरसाइकिल से टकराई और फिर ईंधन से भरे ट्रक से टकराने के बाद आग लग गई. पुलिस ने बताया कि बस में सवार सभी यात्री प्रवासी थे जिन्होंने इस्लाम कला बॉर्डर से यात्रा शुरू की थी. तीन यात्री हादसे से जीवित बचे, जबकि ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार चार लोग भी मृतकों में शामिल हैं. स्न्क्क के एक पत्रकार ने हादसे के बाद सड़क पर जलती हुई बस और अन्य दो वाहनों के क्षतिग्रस्त अवशेष देखे। **अफगानिस्तान में सड़क हादसों की बढ़ती समस्या-** बीबीसी के अनुसार, अफगानिस्तान में सड़क हादसे आम हैं. इसके मुख्य कारण दशकों के संघर्ष के बाद खराब सड़कें, हाईवे पर खतरनाक ड्राइविंग और नियमों का कड़ाई से पालन न होना हैं. पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय अफगानिस्तान में ईंधन टैंकर और ट्रक से जुड़े दो हादसों में कम से कम 52 लोग मारे गए थे. **ईरान से लौट रहे प्रवासी और संकट-** हाल के महीनों में ईरान की दबाव नीति के कारण लाखों अफगानी प्रवासी देश लौट रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी के अनुसार, इस साल अब तक ईरान और पाकिस्तान से 1.6 मिलियन से अधिक लोग लौट चुके हैं. ईरान में प्रवासियों के खिलाफ बढ़ती नफरत और भेदभाव ने हालात को और जटिल बना दिया है।

नेपालः सत्तारूढ़ गठबंधन की उप-सभापति को हटाने की तैयारी शुरू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल (नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) का नेपाली सत्तारूढ़ गठबंधन उपसभापति इंदिरा राणा मगर को हटाने के लिए एक और प्रयास करने की तैयारी में है।

दोनों दलों के नेताओं के अनुसार, उपसभापति मगर को हटाने के लिए आपात बैठक बुलाई गई है। पीएम ओली ने ने भी उन्हें कमजोर और पक्षपातपूर्ण प्रदर्शन वाला बताया है। सत्तारूढ़ गठबंधन ने उपसभापति को पद से हटाने के लिए हस्ताक्षर संग्रह अभियान भी शुरू कर दिया है। सत्तापक्ष के कुछ सांसदों ने पहले ही हस्ताक्षर कर उन्हें पद से हटाने के लिए अपना समर्थन जताया है।

संविधान के अनुसार उपसभापति को पद से हटाने के लिए दो तिहाई बहुमत जरूरी होता है। ऐसे में गठबंधन के नेता इंदिरा राणा को हटाने के लिए छोटे दलों के साथ भी परामर्श कर रहे हैं। प्रतिनिधि सभा में फिलहाल 274 सदस्य हैं और सत्तारूढ़ गठबंधन को 183 वोटों की जरूरत है।

व्हाइट हाउस ने बताया राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर क्यों लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन की जंग में अमेरिकी सैनिकों को सीधे मैदान में नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका सुरक्षा गारंटी देने के दूसरे रास्तों पर विचार कर रहा है, जिनमें हवाई मदद भी शामिल हो सकती है।

सैनिक नहीं जाएंगे, लेकिन मदद जारी रहेगी- कैरोलिन लेविट ने प्रेस ब्रीफिंग में आगे कहा, %राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि अमेरिकी सैनिक यूक्रेन की जमीन पर कदम नहीं रखेंगे। लेकिन अमेरिका यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर अन्य सुरक्षा विकल्प उपलब्ध कराने पर विचार करेगा। सुरक्षा गारंटी स्थायी शांति के लिए बेहद जरूरी हैं और इसी दिशा में राष्ट्रपति ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को काम करने का निर्देश दिया है। **हवाई सुरक्षा विकल्प भी खुले- कैरोलिन लेविट**- वहीं जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या हवाई मदद भी सुरक्षा गारंटी का हिस्सा हो सकती है, इस पर कैरोलिन लेविट ने कहा, %यह विकल्प भी खुला है। मैं कुछ खारिज नहीं करूंगी। राष्ट्रपति के पास तमाम सैन्य विकल्प मौजूद हैं। लेकिन एक बात तय है- अमेरिकी सैनिक जमीनी स्तर पर यूक्रेन में नहीं जाएंगे।

नाटो से हथियार खरीदेगा यूक्रेन- इस दौरान पत्रकारों ने जब अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे की चिंता जताई, तो व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने कहा कि ट्रंप ने नया फार्मूला निकाला है। राष्ट्रपति अमेरिकी करदाताओं का बोझ नहीं बढ़ाना चाहते। इसलिए उन्होंने समाधान दिया कि नाटो अमेरिकी हथियार खरीदे और उसे यूक्रेन को उपलब्ध कराए। अमेरिकी हथियार दुनिया में सबसे बेहतरीन हैं। इसी से यूक्रेन की जरूरत पूरी की जाएगी। **ट्रंप-पूतिन-जेलेंस्की संवाद की कोशिश**-कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच सीधी बातचीत शुरू कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ्ते राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की और दर्जनों बार राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात की। उनकी कोशिश से दोनों देशों के

बीच वर्षों बाद बातचीत शुरू हुई है। ट्रंप का मानना है कि कोई भी शांति समझौता तभी सफल होगा, जब दोनों देशों को थोड़ा-थोड़ा त्याग करना पड़े। %राष्ट्रपति हमेशा कहते हैं कि अच्छी डील में दोनों पक्ष थोड़े असंतुष्ट रहते हैं। यही स्थायी समाधान का रास्ता है।

भारत पर भी लगाए गए ट्रंप के प्रतिबंध- इस मौके पर कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर भी टैरिफ बढ़ाया है। उन्होंने कहा, %राष्ट्रपति ने भारत पर 25त्न अतिरिक्त शुल्क लगाकर कुल 50त्न टैरिफ कर दिया है। इसका मकसद रूस पर द्वितीयक दबाव डालना है, ताकि वह युद्ध रोकने पर मजबूर हो। **अगर ट्रंप पहले होते तो युद्ध शुरू ही न होता**-इस दौरान कैरोलिन लेविट ने दोहराया कि राष्ट्रपति ट्रंप मानते हैं कि अगर वे पहले से सत्ता में होते तो रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू ही नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि खुद पुतिन ने भी यह बात स्वीकार की है। व्हाइट हाउस की तरफ से कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप यूरोपीय नेताओं और नाटो से लगातार चर्चा कर रहे हैं ताकि युद्ध खत्म हो और स्थायी शांति सुनिश्चित की जा सके।

भारत-पाकिस्तान शांति का दावा भी किया-वहीं राष्ट्रपति ट्रंप की तरह कैरोलिन लेविट ने प्रेस वार्ता में यह भी कहा कि ट्रंप ने पहले भी कई जगह शांति स्थापित करवाई है। उन्होंने ये भी दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच शांति समझौता कराया था, जो परमाणु युद्ध को रोकने में मददगार साबित हुआ।

रोहित शर्मा क्रिकेट के मैदान पर वापसी को बेकरार, इस टीम के खिलाफ जलवा बिखेरते आ सकते हैं नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब टीम इंडिया को दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा की नीली जर्सी में वापसी का बेसब्री से इंतजार क्रिकेट प्रेमियों को है। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से रोहित शर्मा ने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। लेकिन अब उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभावना ऑस्ट्रेलिया दौरे (19 अक्टूबर से) के दौरान दिखाई दे रही है। हालांकि, रोहित शर्मा इस दौरे से पहले ही एक खास सीरीज में हिस्सा लेने की इच्छा जता चुके हैं, जो कानपुर में खेली जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेलने की इच्छा

टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें भारतीय टीम 3 वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इस वनडे सीरीज के लिए टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के शामिल होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ कानपुर में होने वाली अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने की इच्छा जताई है। ऑस्ट्रेलिया-ए सितंबर में भारत दौरे पर आएगी, जहां वे भारत-ए टीम के साथ दो अनऑफिशियल टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेंगी। दोनों टेस्ट मैच लखनऊ में आयोजित होंगे, जबकि तीनों वनडे मैच कानपुर में खेले जाएंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेलेंगे रोहित?

रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि रोहित शर्मा इस अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने के इच्छुक हैं ताकि वे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अच्छी तैयारी कर सकें। इसके अलावा खबरें हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज उनके वनडे करियर की आखिरी सीरीज हो सकती है। बीसीसीआई रोहित को दिसंबर 2025 में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है, ताकि वे वनडे टीम में अपनी जगह बनाए रखें।

वनडे में रोहित शर्मा का शानदार रिकॉर्ड

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का वनडे रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है। अब तक उन्होंने 273 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें 265 पारियों में 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं। इसमें उनके 32

शतक और 58 अर्धशतक शामिल हैं। रोहित का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रन है, जो वनडे इतिहास के सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर में से एक है।

पृथ्वी शॉ ने बुची बाबू में ठोका शतक, चेन्नई से खास कनेक्शन का किया खुलासा

मुम्बई (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ ने प्रतिष्ठित बुची बाबू ट्रॉफी में महाराष्ट्र के लिए अपने पहले मैच में शतक जड़कर बल्ले से दमदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने चेन्नई के आईसी गुरुनानक कॉलेज ग्राउंड में यह उपलब्धि हासिल की और शहर के साथ अपने खास रिश्ते को याद किया। 2018 में अपने पहले टेस्ट शतक के बाद 25 वर्षीय इस खिलाड़ी का करियर असंगत प्रदर्शन, अनुशासनात्मक मुद्दों और फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण पटरी से उतर गया है।

इस साल की शुरुआत में मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) ने उन्हें अपनी रणजी टीम से बाहर कर दिया था जिसके बाद शॉ को एक नई शुरुआत की तलाश में महाराष्ट्र जाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) लेना पड़ा। महाराष्ट्र के लिए अपने पहले मैच में पृथ्वी शॉ ने चेन्नई के आईसी गुरु नानक कॉलेज ग्राउंड में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 141 गेंदों पर 111 रनों की पारी खेली जिससे उनकी नई टीम को संघर्ष करने का मौका मिला। छत्तीसगढ़ के 252 रनों के जवाब में महाराष्ट्र 217 रन ही बना सका।

चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) द्वारा सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में शॉ ने खुलासा किया कि IPL 2019 में पहली बार चेन्नई में कदम रखने के बाद से ही यह उनके दिल के बहुत करीब रहा है। शॉ ने कहा, 'चेन्नई में गर्मी जरूर है, लेकिन यह वाकई बहुत अच्छा लगता है क्योंकि मैंने यहां हमेशा रन बनाए हैं। मुझे लगता है कि चेन्नई मेरे लिए काफी खास है। चेन्नई में खेलने का मेरा पहला अनुभव शायद IPL 2019 के दौरान था। हम चेपाक में खेले थे। वाकई बहुत अच्छा अनुभव था।'

इतना ही नहीं शॉ ने कहा कि वह महाराष्ट्र के लिए ज्यादा से ज्यादा रन बनाना चाहते हैं, क्योंकि टीम ने उन्हें वापसी का मौका दिया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि (बुची बाबू में खेलना) वाकई एक अच्छा अनुभव है। एक शानदार टूर्नामेंट। रणजी सीजन से पहले, ऐसा होता है। मैंने अभी अपना पहला मैच खेला है और यह एक अच्छा अनुभव है क्योंकि रणजी सीजन शुरू होने से पहले आपको बहुत अच्छा अभ्यास मिलता है। महाराष्ट्र के लिए यह मेरा पहला मैच है, शतक लगाना वाकई खास लगता है। मुझे उम्मीद है कि रणजी ट्रॉफी और आने वाले मैचों तक यह सिलसिला जारी रहेगा।'

बीसीसीआई ने चयन समिति के प्रमुख अगरकर का अनुबंध एक साल बढ़ाया

मुम्बई (एजेंसी)। एशिया कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद ही बीसीसीआई ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का अनुबंध जून 2026 तक बढ़ा दिया है। अगरकर के चयन समिति प्रमुख बनने के बाद भारतीय टीम ने भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप और इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। अगरकर के कार्यकाल में ही भारतीय टेस्ट टीम भी बेहतर हुई है और उसने साल 2023 विश्व कप के फाइनल में स्थान बनाया था। इन सभी उपलब्धियों को देखते हुए ही अगरकर का अंनुबंध बढ़ाया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल 2025 से पहले ही अगरकर के अनुबंध को बढ़ाने की बात हो गई थी, जिसे मंजूर कर लिया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम को का टेस्ट और टी20 में प्रदर्शन अच्छा रहा। इसी कारण बोर्ड ने उनका अनुबंध एक साल के लिए बढ़ा दिया है। अगरकर ने भी ये प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। अगरकर के कार्यकाल में ही विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टी20 और टेस्ट से संन्यास लिया जिससे भारतीय टीम इन प्रारुपों में दो नये कप्तान मिले। टेस्ट में शुभमन गिल जबकि टी20 में सूर्यकुमार यादव को यह जिम्मेदारी मिली और ये दोनो ही सफल रहे। वहीं रोहित-विराट अब एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं और आने वाले समय में यहां भी बड़े बदलाव हो सकते हैं। देखना है कि इन दोनो को अगले विश्वकप तक के लिए जगह मिलती है या नहीं।

वर्तमान समय में चयन समिति में अगरकर के अलावा एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरत जैसे खिलाड़ी शामिल हैं पर माना जा रहा है कि सितंबर में होने वाली वार्षिक आम सभा की बैठक के बाद चयन समिति में कुछ बदलाव होंगे। शरत के अब चार साल पूरे होने को है। ऐसे में उनकी जगह पर किसी नये व्यक्ति को ये जिम्मेदारी मिल सकती है। बीसीसीआई आगे चलकर नए सिरे से आवेदन आमंत्रित करेगा। तभी तय होगा कि कौर से सदस्य बदले जाते हैं।

एशिया कप में भाग लेने भारतीय टीम को नहीं रोकेंगे : खेल मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। खेल मंत्रालय ने गुरुवार को कहा है कि पाकिस्तान से द्विपक्षीय खेल नहीं होंगे, मगर एशिया कप में भारतीय टीम को भाग लेने से रोका नहीं जा सकता है। खेल मंत्रालय ने भारत के अंतरराष्ट्रीय खेल संबंधों के संबंध में नई नीति जारी की है। सूत्रों के अनुसार यह नीति तुरंत प्रभावी हो गई है। , खेल मंत्रालय की नीति में कहा गया है, पाक से जुड़े खेल आयोजनों में भारत का रवैया उसी व्यापक नीति को दिखाता है जो उस देश के साथ भारत के संबंधों में अपनाई गई है। जहां तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय खेल आयोजनों का सवाल है, तो भारतीय टीम पाकिस्तान में होने वाले मुकाबलों में हिस्सा नहीं लेगी। पाकिस्तान की टीम को भारत में द्विपक्षीय मैच खेलने की अनुमति नहीं पाएंगी।

हालांकि, बहुपक्षीय खेल आयोजनों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मंत्रालय ने कहा, हम भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोकेंगे, क्योंकि यह एक बहुदेशीय प्रतियोगिता है। उन्होंने आगे कहा, पाक को द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, लेकिन बहुपक्षीय आयोजनों में उनकी भागीदारी पर रोक नहीं होगी क्योंकि हम ओलंपिक चार्टर का पालन करेंगे।

इससे एशिया कप में भारतीय टीम के खेलने को

लेकर रहा सहा संशय भी समाप्त हो गया है क्योंकि एशिया कप के लिए टीम की घोषणा के बाद से ही इसका विरोध भी तेज हो गया था। प्रशंसकों का मानना था कि क्रिकेट टीम को पाकिस्तान के खिलाफ 14 सितंबर को होने वाले मैच से पीछे हट जाना चाहिए। प्रशंसकों के अनुसार आतंक वाद जारी रहने तक पाक के साथ किसी भी तरह का कोई खेल या कोई भी संबंध नहीं रखना चाहिए। वहीं खेल मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि पाक के साथ द्विपक्षीय खेल मुकाबले नहीं होंगे, लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोका जाएगा।

भारत के गिरीश ने एशियाई निशानेबाजी में स्वर्ण जीता

शिमकेन । भारतीय निशानेबाज गिरीश गुप्ता ने 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीता है। गिरीश ने 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ इवेंट में 241.3 अंक के साथ ही स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 17 साल के गिरीश ने ये उपलब्धि अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ही हासिल की है। गिरीश ने फाइनल में 241.3 अंक हासिल कर नंबर एक स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के बल पर इस खिलाड़ी ने भारत के लिए एक पदक जीता है। गिरीश ने व्यक्तिगत स्वर्ण के साथ-साथ 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ टीम इवेंट में रजत पदक और मिश्रित युगल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक भी जीता। इस तरह उन्होंने कुल 2 स्वर्ण और 1 सिल्वर जीते हैं। इस प्रतियोगिता के पहले दिन ही भारतीय टीम ने कुल 2 स्वर्ण और 3 रजत पदक जीते। गिरीश की सफलता से भारत के अन्य निशानेबाजों को भी प्रेरणा मिली है। गिरीश राजस्थान से हैं। ऐसे में उनकी इस सफलता से प्रदेश में खुशी का महौल है।

एशिया कप के लिए शामिल नहीं किये जाने के बाद श्रेयस ने निराशा जतायी

नई दिल्ली। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर एशिया कप 2025 के लिए टीम में जगह नहीं मिलने से निराश हैं। श्रेयस ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे उनके चयन की उम्मीदें जतायी जा रही थीं पर ऐसा हुआ नहीं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। उसमें श्रेयस का नाम नहीं था। श्रेयस ने इस साल आईपीएल में भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स को उनके दूसरे सत्र के फाइनल में पहुंचाया और 175.07 की शानदार स्ट्राइक रेट से 600 से अधिक रन बनाए। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिलने पर कई पूर्व क्रिकेटटरों और प्रशंसकों ने भी नाराजगी जतायी है। टीम चयन के बाद उनका उनकी पहली प्रतिक्रिया आई है। पंजाब किंग्स ने भी इसे साझा किया है। पंजाब किंग्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने कप्तान का ये वीडियो साझा किया। उसने इसे 'सरपंच साब' कैप्शन दिया हैं। श्रेयस को उनके करीबी प्यार से सरपंच साब नाम से बुलाते हैं। वहीं इससे पहले चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा था कि श्रेयस की कोई गलती नहीं थी। अभी टीम में जगह नहीं है इसलिए उसे जगह नहीं मिली। उसे अपने अवसर की प्रतीक्षा करनी होगी। अगरकर ने कहा, 'श्रेयस के बारे में, मेरा कहना है कि उसकी गलती नहीं है, न ही हमारी। बस हमें इस समय 15 खिलाड़ियों का चयन करना है जो हमारे पास हैं। इसलिए उसे अपने मौके का इंतजार करना होगा।' गौरतलब है कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में एक टी20आई मैच खेला था उसके बाद से ही वह जगह का इंतजार कर रहे हैं। वह मध्य क्रम के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। . अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने 30.66 की औसत और 136.12 की स्ट्राइक रेट से 1,104 रन बनाए हैं जिससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है।

एशिया कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, सलीमा टेटे को मिली कप्तानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को चीन के हांगझोउ में पांच से 14 सितंबर तक होने वाले एशिया कप के लिए बृहस्पतिवार को 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान बरकरार रखा गया। यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका विजेता 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा। भारत को पूल बी में रखा गया है जहां उसका सामना जापान, थाईलैंड और सिंगापुर से होगा।

टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी और फिर छह सितंबर को जापान से भिड़ेगी। भारत अपना अंतिम पूल मैच आठ सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा। हॉकी इंडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप के लिए हमने जो टीम चुनी है उसे लेकर हम उत्साहित हैं।'

सलीमा पिछले साल कप्तान नियुक्त होने के बाद से टीम का अभिन्न अंग रही हैं।

हरेंद्र ने कहा, 'यह टीम कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण ले रही है और हमने अनुभवी खिलाड़ियों तथा युवा प्रतिभाओं के बीच सही संतुलन बनाने की कोशिश की है।' उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान आक्रामक और अनुशासित हॉकी खेलने पर होगा और हमारा मानना है कि यह टीम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ मजबूती से मुकाबला करने की क्षमता रखती है।'

टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है जिसमें गोलकीपिंग की जिम्मेदारी बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम पर होगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी होंगी जिनका साथ युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थोडम और इशिका चौधरी देंगी। मिडफील्ड में नेहा, सलीमा, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनेलिटा टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं।

अग्रिम पंक्ति में अनुभवी और उभरते सितारों का मिश्रण है जिसमें नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल शामिल हैं। हालांकि अनुभवी खिलाड़ी सविता और सुशीला चानू टीम का हिस्सा नहीं हैं। ये दोनों एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में खेली थी।

महिला एशिया कप के लिए भारतीय टीम

गोलकीपरः बंसारी सोलंकी, बिचु देवी खारीबाम

डिफेंडर : मनीषा चौहान, उदिता, ज्योति, सुमन देवी थोडम, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी

मिडफील्डर : नेहा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, लालरेमसियामी, सुनेलिटा टोप्पो

फारवर्ड : नवनीत कौर, रुतजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, दीपिका और संगीता कुमारी।

फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे

लंदन । फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब फुटबॉल क्लब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। प्रीमियर लीग विजेता लीवरपूल ने ने आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट के स्ट्राइकर एकिटिके से करार किया है। यह सौदा करीब 79 मिलियन पाउंड में हुआ। लिवरपूल ने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की और कहा कि उसने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड एकिटिके के ट्रांसफर के लिए एक करार किया है। क्लब ने कहा कि एकिटिके मेडिकल टेस्ट में पास हो गये हैं और लिवरपूल के साथ व्यक्तिगत शर्तों पर भी वह तैयार हैं। अब वह इस सप्ताह के अंत में एशिया के प्री-सीजन दौरे पर हांगकांग जा सकेंगे। लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट के अनुसार ये चौथा बड़ा ट्रांसफर है। इससे पहले क्लब ने फ्लोरियन विट्र्ज को करीब 110 मिलियन पाउंड में खरीदा था। उनके अलावा डिफेंडर मिलोस केरकेज और जरेमी फ्रिमपोंग से भी करार किया। फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके, किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 48 मैचों में 22 गोल किए और एक दर्जन से अधिक गोलों में सहायोग दिया। लिवरपूल ने इस ट्रांसफर विंडो में अब तक 250 मिलियन पाउंड से ज्यादा खर्च कर दिए हैं।

अक्षर को बिना किसी गलती के उपकप्तानी से हटाना निराशाजनक : कैफ

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बिना किसी गलती के टी20 टीम की उपकप्तानी से हटाना सही नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप के लिए जो टीम चयनित की है उसमें अक्षर को हटाकर शुभमन गिल को उपकप्तानी दे दी गयी है।कैफ ने टी20 टीम में कुछ महीने पहले तक उपकप्तान रहे अक्षर को पद से हटाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए पूछा है कि उसकी गलती क्या थी? अक्षर को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया था। कैफ ने कहा है कि उम्मीद है कि अक्षर को उपकप्तान के पद से हटाने के बारे में पहले बता दिया गया होगा। अक्षर ने कुछ भी गलत नहीं किया था और इसलिए वह जानने का अधिकारी था कि उससे क्यों जिम्मेदारी वापस ली गयी है। अक्षर ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह पक्की की है। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। वह इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। तब उन्होंने चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने फाइनल में बल्ले से भी कमाल दिखाते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 31 गेंद में 47 रन बनाये थे।

इंग्लैंड ने महिला विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की, हीथर नाइट की वापसी

आगामी महिला वनडे वर्ल्ड 2025 के लिए इंग्लैंड ने अपनी 15 सदस्यीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। जहां पूर्व कप्तान हीथर नाइट को स्क्वॉड में जगह मिली है। वहीं टीम में साराह ग्लेन और डेनी व्याट-हॉज की भी वापसी हुई है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार नाइट को टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनकी चोट से उबरने की प्रक्रिया जारी है और उन्हें 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। साथ ही टीम में शामिल चार अनुभवी स्पिनरों में से ग्लेन एक हैं। वह उन छह खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें पहली बार विश्व कप टीम में जगह मिली है। इसके अलावा यह कप्तान के रूप में नैट स्किवर-ब्रंट का पहला आईसीसी टूर्नामेंट है। बता दें कि, दुनिया की नंबर एक वनडे बल्लेबाज स्किवर-ब्रंट को अप्रैल में सभी प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया था। व्याट-हॉज की भी टीम में वापसी हुई है। वह इंग्लैंड की ओर से पिछली बार 50 ओवर के प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में हार के दौरान खेली थी। केट क्रॉस, माइया बूचियर और एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स को टीम में जगह नहीं मिली है। यह टूर्नामेंट नई कप्तान स्किवर-ब्रंट और मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स में मार्गदर्शन में देश का पहला विश्व कप होगा। ऑस्ट्रेलिया ने 2022 के फाइनल में इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था। एडवर्ड्स ने कहा कि, विश्व कप में अपने देश के लिए खेलना खेल जगत के सबसे बड़े सम्मान में से एक है और मैं टीम में शामिल सभी खिलाड़ियों के लिए बहुत खुश हूं। इंग्लैंड की कोच ने आगे कहा कि, सभी वैश्विक टूर्नामेंटों की तरह यह एक बड़ी चुनौती होगी लेकिन हम भारत में जितना हो सके उतना आगे बढ़ना चाहते हैं और मेरा मानना है कि अगर हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलेंगे तो हम किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार है- नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लोट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एकलेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, ऐमा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

विश्व चैंपियनशिप से पहले होगा सभी महिला मुक्केबाजों का होगा लिंग परीक्षण

लॉस एंजिलिस (एजेंसी)। ओलंपिक शैली की मुक्केबाजी की नियामक संस्था 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप में महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली सभी मुक्केबाजों के लिए लिंग परीक्षण अनिवार्य करेगी। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' (विश्व मुक्केबाजी) ने पहले ही अपनी योजना की घोषणा कर दी है जिसके तहत प्रतियोगियों को जन्म के समय के लिंग का निर्धारण करने के लिए पॉलीमरेज चेन रिएक्शन टेस्ट या उसी तरह के आनुवंशिक स्क्रीनिंग टेस्ट से गुजरना होगा।

'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने बुधवार को घोषणा की कि ये नियम सितंबर की शुरुआत में इंग्लैंड के लिवरपूल में होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप से पहले लागू किए जाएंगे। इन परीक्षण से जैविक लिंग के सूचक के रूप में वाई गुणसूत्र की उपस्थिति या अनुपस्थिति की पहचान की जाती है। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने कहा, 'विश्व मुक्केबाजी सभी खिलाड़ियों की गरिमा का सम्मान करती है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती है कि यह यथासंभव समावेशी हो।'

उन्होंने कहा, 'फिर भी मुक्केबाजी जैसे खेल में सुरक्षा और प्रतिस्पर्धात्मक निष्पक्षता सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है और इसलिए यह नियम बनाया गया है।' पेरिस ओलंपिक चैंपियन अल्जीरिया की इमान खलीफ ने जून में नीदरलैंड में एक टूर्नामेंट में भाग लेने से इनकार कर दिया था। यह फैसला उस समय लिया गया जब शासी निकाय ने लिंग परीक्षण शुरू करने की अपनी योजना की घोषणा की थी।

बाद में वान डेर वोर्स्ट ने विश्व मुक्केबाजी की भविष्य की परीक्षण योजनाओं का जिक्र करते हुए खलीफ का नाम लेने के लिए माफी मांगी। खलीफ ने पहले टूर्नामेंट में भाग लेने की योजना बनाई थी। खलीफ और ताइवान की स्वर्ण पदक विजेता लिन यू-टिंग ने पेरिस ओलंपिक में उनके लिंग को लेकर गलत धारणा के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया था। 26 वर्षीय खलीफ ने बार-बार कहा है कि वह एक महिला के रूप में पैदा हुई हैं और उन्होंने लगभग एक दशक तक महिला एमेच्योर मुक्केबाजी के सभी स्तरों पर प्रतिस्पर्धा की है।

ओलंपिक खेलों में पहले गुणसूत्र परीक्षण आम था, लेकिन 1990 के दशक में इससे किनारा कर दिया गया था क्योंकि ठोस परिणाम पर नहीं पहुंचा जा रहा था। कई खेलों ने लिंग योग्यता निर्धारित करने के लिए हार्मोन परीक्षण का सहारा लिया, लेकिन इन परीक्षणों के लिए नियामक निकायों को उन खिलाड़ियों को लेकर कड़ा फैसला करना पड़ता है जिनमें

टेस्टोस्टेरोन का स्तर अधिक पाया जाता है। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने इसके साथ ही कहा कि परीक्षण कराने और परिणाम प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासंघों की है। इस साल की शुरुआत में विश्व एथलेटिक्स गुणसूत्र परीक्षण को फिर से शुरू करने वाला पहला ओलंपिक खेल बना था।

छोटे और मझोले शहरों में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा क्षेत्र में नौकरियां उत्पन्न होंगीः रिपोर्ट

- वित्त वर्ष 2025-26 तक नियुक्तियों में 8.7 और 2030 तक 10 प्रतिशत तक की हो सकती है वृद्धि

मुंबई ।

देश के बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र में आने वाले वर्षों में मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 तक नियुक्तियों में 8.7 प्रतिशत और 2030 तक 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है, जिससे लगभग 2.5 लाख स्थायी नौकरियां उत्पन्न होंगी। यह वृद्धि खासतौर पर छोटे और मझोले शहरों में बढ़ती मांग के कारण हो रही है, जो परंपरागत रूप से महानगरों पर केंद्रित भर्ती प्रक्रिया में बदलाव का संकेत देती है। कार्यबल समाधान प्रदाता एडेको इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि बीएफएसआई क्षेत्र में अब लगभग 48 प्रतिशत नई नौकरियां छोटे शहरों में पैदा हो रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में भर्ती 27 प्रतिशत बढ़ी है, खासकर उन उम्मीदवारों के लिए जो स्थानीय भाषा में दक्ष और बिक्री अनुभव रखते हैं। ऐसे उम्मीदवारों को चयन के मौके 2.5 गुना अधिक और वेतन 10-15 प्रतिशत तक ज्यादा मिल सकता है। बैंकों ने इस साल बिक्री अधिकारी, डिजिटल उत्पाद प्रबंधक और ऋण जोखिम विश्लेषक जैसी भूमिकाओं में भर्ती बढ़ा दी है। वहीं, वित्त एवं बीमा कंपनियां वित्तीय योजनाकार, निवेश सलाहकार, डिजिटल अंडरराइटर और दावा स्वचालन विशेषज्ञों की मांग तेजी से कर रही हैं। इंदौर, कोयम्बटूर, नागपुर और गुवाहाटी जैसे छोटे शहरों में नियुक्तियों में 15-18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सूरत, जयपुर, लखनऊ और भुवनेश्वर में यह वृद्धि 11-13 प्रतिशत के बीच रही। एडेको इंडिया के निदेशक कार्तिकेयन केसवन के अनुसार, बीएफएसआई क्षेत्र में डिजिटल

निवेशकों के बढ़ने और छोटे शहरों की ओर झुकाव के कारण नियुक्ति का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। म्यूचुअल फंड और वेल्थ मैनेजमेंट कंपनियां इस वृद्धि की अगुआई कर रही हैं। यह बदलाव बीएफएसआई क्षेत्र में करियर बनाने वालों के लिए नए अवसर लेकर आया है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री निवेश आकर्षित करने जापान, दक्षिण कोरिया की यात्रा पर

- यात्रा का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक, मोटर वाहन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना

रायपुर ।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरुवार को जापान और दक्षिण कोरिया की 10 दिवसीय औद्योगिक और निवेश प्रवर्धन यात्रा पर रवाना हो गए। यह मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक, मोटर वाहन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना है। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रायपुर के स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे से दिल्ली पहुंचे साय वहां से जापान के लिए प्रस्थान करेंगे। जापान और दक्षिण कोरिया की ये यात्रा छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति के तहत उद्योगपतियों को राज्य में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने का अवसर है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जापान के ओसाका में आयोजित होने वाले वर्ल्ड एक्सपो 2025 में वह भाग लेंगे। जहां छत्तीसगढ़ अपनी सांस्कृतिक धरोहर और विकास यात्रा का प्रदर्शन करेगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन में मुख्यमंत्री साय को विशेष आमंत्रण भी मिला है। न्होंने बताया कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद से राज्य को अब तक 6.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें से कई परियोजनाओं पर कार्य शुरू हो चुका है। इस निवेश से छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री जापान और दक्षिण कोरिया के उद्योग जगत से मिलकर छत्तीसगढ़ में व्यवसाय के लिए अनुकूल वातावरण और संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। 31 अगस्त को साय अपने मातृभूमि लौटेंगे।

सेबी की रिपोर्ट: पिछले वर्ष प्रवर्तकों के डीमैट खातों में जब्ती की संख्या बढ़ी

बीएसई ने कुल 457 कंपनियों के प्रवर्तकों के खाते फ्रीज किए

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष गैर-अनुपालन के कारण स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा प्रवर्तकों के डीमैट खातों को फ्रीज करने की संख्या में वृद्धि हुई है। बीएसई ने कुल 457 कंपनियों के प्रवर्तकों के खाते फ्रीज किए हैं, जो कारोबार करने वाली कंपनियों के लगभग दसवें हिस्से से अधिक है। बीएसई में कुल 5,452 कंपनियां सूचीबद्ध हैं, जिनमें से 4,463 ने मार्च 2025 तक सक्रिय रूप से कारोबार किया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में 2,720 सूचीबद्ध कंपनियां हैं, जिनमें से 73 कंपनियों के प्रवर्तकों के डीमैट खाते फ्रीज किए गए हैं। वहीं, मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया ने 263 सूचीबद्ध कंपनियों में से 36 के खाते फ्रीज किए हैं। ये आंकड़े पिछले साल की तुलना में अधिक हैं, हालांकि 2022-23 के मुकाबले कम हैं। सेबी ने गैर-अनुपालन की स्थिति में स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा उठाए जाने वाले दंडात्मक कदमों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इसके तहत पहले जुर्माना लगाया जाता है और चेतावनी दी जाती है, जबकि लगातार नियम उल्लंघन पर ही डीमैट खातों को फ्रीज किया जाता है। इसका उद्देश्य बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करना और दंडात्मक कार्रवाई में पारदर्शिता लाना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार डीमैट खाते फ्रीज करना अंतिम कार्रवाई होती है, जो बताती है कि प्रवर्तक पहले कई बार चेतावनी मिलने के बाद भी नियमों का उल्लंघन करते रहे हैं। यह स्थिति बताती है कि नियामकीय चूक के शुरुआती मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाई। इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारत के शेयर बाजार में नियमों के पालन और निगरानी को और मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि निवेशकों का भरोसा बना रहे।

रेलटेल को मिले 50 करोड़ के नए प्रोजेक्ट

- शेयर प्राइस 400 रुपए से भी नीचे, स्टॉक पर रखें नजर

नई दिल्ली ।

रेलवे मंत्रालय की नवरत्न कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (रेलटेल) को हाल ही में दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट मिले हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 50.42 करोड़ है। ओडिशा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग से कंपनी को 15.42 करोड़ का वेबसाइट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट मिला है। इस प्रोजेक्ट के तहत विभाग के कॉलेजों के लिए बायलिंगुअल वेबसाइट्स डिजाइन और विकसित की जाएंगी। इस कार्य की समय सीमा 19 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। इसके अलावा, केरल स्टेट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिशन ने रेलटेल को 34.99 करोड़ के कॉन्ट्रेक्ट के तहत राज्य के डेटा सेंटर्स के संचालन और रखरखाव का कार्य सौंपा है। यह प्रोजेक्ट पांच वर्षों तक चलेगा और इसे 18 अगस्त 2030 तक पूरा किया जाएगा। रेलटेल के शेयर आज 21 अगस्त 2025 को मामूली बढ़त के साथ 359.20 पर बंद हुए। कंपनी का मार्केट कैप 11,528 करोड़ से अधिक है और यह बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स का हिस्सा है। नए प्रोजेक्ट मिलने और मजबूत वित्तीय नतीजों के चलते निवेशकों की नजर रेलटेल पर बनी हुई है। कंपनी ने 28 जुलाई 2025 को पहली` तिमाही` वित्त वर्ष 26 के नतीजे घोषित किए, जिनमें ऑपरेटिंग इनकम 744 करोड़ रही, जो पिछले साल की समान तिमाही से 33 फीसदी अधिक है। कुल राजस्व 758 करोड़ पहुंच गया, जो 31 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। कर पूर्व मुनाफा 89 करोड़ रहा, जिसमें 34 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं, शुद्ध लाभ 66 करोड़ रहा, जो पिछले साल के 49 करोड़ से 35 फीसदी ज्यादा है। इन प्रोजेक्ट और वित्तीय प्रदर्शन के चलते रेलटेल के शेयरों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

रियल मनी गेम्स बैन के खिलाफ गेमिंग इंडस्ट्री ने लगाई गुहार

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ऑनलाइन स्किल गेमिंग संगठनों ने एक संयुक्त पत्र लिखकर भारत में सभी प्रकार के` रियल मनी गेम्स (आरएमजी) पर प्रस्तावित पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ हस्तक्षेप की मांग की है। उद्योग ने चेतावनी दी है कि इस कदम से 400 से अधिक कंपनियां बंद हो सकती हैं और करीब 2 लाख से अधिक नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। द ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ), द ई-गेमिंग फेडरेशन (ईजीएफ) और द फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटसी स्पोर्ट्स ने कहा है कि इस तरह का प्रतिबंध उद्योग के लिए 'सफाए की घंटी साबित होगा। उन्होंने गृह मंत्री से इस मसले पर बैठक का भी अनुरोध किया है। इन संगठनों का मानना है कि यदि वैध कंपनियां बंद होती हैं तो अवैध विदेशी जुआ संचालक और मटका नेटवर्क जैसे असुरक्षित और गैरकानूनी मंचों को बढ़ावा मिलेगा। इससे लाखों भारतीय उपयोगकर्ता असुरक्षित प्लेटफॉर्म की ओर मुड़ सकते हैं। भारत में वर्तमान में लगभग 50 करोड़ गेमर्स हैं और यह क्षेत्र 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित कर चुका है। इस उद्योग की प्रमुख कंपनियों में ड्रीम11, जंगली गेम्स, मोबाइल प्रीमियर लीग, हेड डिजिटल वर्क्स और नजारा टेक्नोलॉजीज शामिल हैं। सरकार ने हाल ही में एक मसौदा विधेयक तैयार किया है, जिसमें

सभी ऑनलाइन मनी गेम्स से संबंधित लेनदेन को बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव है। उद्योग का कहना है कि इससे राज्य और केंद्र दोनों के कर राजस्व में कमी आएगी और डिजिटल अर्थव्यवस्था के प्रधानमंत्री मोदी के 1 लाख करोड़ डॉलर के लक्ष्य को भी ठेस पहुंचेगी। ऑनलाइन स्किल गेमिंग संगठनों का आग्रह है कि सरकार इस क्षेत्र को प्रतिबंधित करने के बजाय इसके नियमन और सुधार की दिशा में कदम उठाए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.25 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया 4 पैसे मजबूत होकर 86.93 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.04 पर खुलने के बाद जल्दी ही 86.93 के शुरुआती उच्च स्तर तक पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव 87.07 से 14 पैसे की बढ़त को दर्शाता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति की उम्मीदों के चलते वैश्विक बाजारों में जोखिम उठाने की क्षमता बढ़ी है, जिससे रुपया मजबूती दिखा रहा है। वहीं, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी बढ़कर 98.30 पर पहुंच गया।

कृषि व ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 0.77 एवं 1.01 फीसदी हुई

नई दिल्ली । श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2025 में कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति दर में गिरावट दर्ज की गई। कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर घटकर 0.77 प्रतिशत रही, जबकि जून में यह 1.42 प्रतिशत थी। इसी प्रकार ग्रामीण श्रमिकों के लिए यह दर जुलाई में 1.01 प्रतिशत रही, जो जून में 1.73 फीसदी थी। मंत्रालय के मुताबिक, कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) जुलाई में 1.23 अंकों की वृद्धि के साथ 135.31 पर पहुंच गया। वहीं ग्रामीण श्रमिकों का सीपीआई 1.30 अंक बढ़कर 135.66 हो गया। खाद्य सूचकांक की बात करें तो, इसमें भी वृद्धि दर्ज की गई। कृषि श्रमिकों के लिए 1.94 अंक और ग्रामीण श्रमिकों के लिए 2.16 अंक की बढ़ोतरी हुई। हालांकि सूचकांक में बढ़ोतरी हुई, लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट देखने को मिली। जुलाई 2025 में कृषि श्रमिकों के लिए यह दर (-)1.56 प्रतिशत और ग्रामीण श्रमिकों के लिए (-)1.13 प्रतिशत रही, यानी खाद्य वस्तुओं के दामों में औसतन गिरावट आई। इन सूचकांकों को आधार वर्ष 2019=100 के अनुसार तैयार किया गया है और यह आंकड़े देश के 34 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 787 गांवों से जुटाए गए हैं। गिरती मुद्रास्फीति दर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए राहत का संकेत मानी जा रही है।

सरकारी रिफाइनरियों ने बढ़ी छूट के चलते रूस से कच्चा तेल खरीदना शुरू किया

- अब छूट बढ़कर लगभग तीन डॉलर प्रति बैरल हुई

नई दिल्ली । सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू कर दी है। भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल ने सितंबर और अक्टूबर डिलीवरी के लिए रूसी कच्चे तेल की खरीद में तेजी लाई है। पिछले कुछ महीनों में रूस के तेल पर मिलने वाली छूट कम होने के कारण घरेलू कंपनियों ने खरीद पर ब्रेक लगा दिया था। हालांकि, अब छूट बढ़कर लगभग तीन डॉलर प्रति बैरल हो गई है, जिससे रूस से तेल खरीदना फिर से आकर्षक हो गया है। रूसी तेल की खरीद पर भारत की रिफाइनरियों द्वारा फिर से जोर देने से चीन के लिए रूस से तेल की आपूर्ति कम होने की संभावना है। जब भारत ने रूस से तेल खरीदना कम किया था, तब चीन ने अपनी खरीद बढ़ा दी थी। भारत ने मुख्य रूप से यूराल्स क्रूड के अलावा वरंडे और साइबेरियन लाइट जैसे अन्य रूसी तेल ग्रेड भी खरीदे हैं। हालांकि, जुलाई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 27 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी और अमेरिका की आलोचना के चलते भारत ने रूस से तेल की खरीद रोक दी थी। लेकिन अब छूट बढ़ने के कारण और कच्चे तेल की कीमतों के लाभ को देखते हुए भारत की सरकारी कंपनियों ने रूसी तेल खरीदना फिर से शुरू किया है। इससे घरेलू तेल बाजार और रिफाइनरियों को कच्चे तेल की बेहतर सप्लाई मिल सकेगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इसका असर दिखाई दे सकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 142 , निफ्टी 33 अंक बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इस कारण दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 142.87 अंक बढ़कर 82,000.71 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.20 अंक उछलकर 25,083.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान फार्मा शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। निफ्टी फार्मा इंडेक्स में 0.95 फीसदी की बढ़त देखी गई। वहीं वित्तीय सेवा, आईटी, संपत्ति , निजी बैंक और इन्फ्रा शेयर उछाल के साथ बंद हुए। वहीं ऑटो, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी, मेटल, एनर्जी और कमोडिटीज में गिरावट रही।

लार्जकैप के विपरीत मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 221.55 अंक या 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ 57,708.95 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 2.05 अंक की मामूली गिरावट के साथ 17,966.35 पर था। सेंसेक्स पैक में बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, बीईएल, टाइटन, मारुति सुजुकी, सन फार्मा, भारती एयरटेल, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स शेयर सबसे अधिक लाभ में थे। पावर ग्रिड, इटरनल (जोमैटो), एचयूएल, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, एमएंडएम, एसबीआई, टाटा स्टील, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर गिरे।

वहीं व्यापक बाजार का रुख मिला जुला था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,094 शेयर हरे निशान में और 2,000 शेयर लाल निशान में और 154 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। वहीं गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजारों की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। सेंसेक्स 362.62 अंक चढ़कर 82,220.46 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 91.45 अंकों की बढ़त के साथ 25,142 पर कारोबार कर रहा था। निवेशकों की नजर आज जारी होने वाले भारत के विनिर्माण और सेवा पीएमआईफ्लैश आंकड़ों पर टिकी है, जो देश की आर्थिक गति का संकेत देंगे। इसके अलावा जीएसटी प्रणाली में सुधार, रूस-यूक्रेन शांति वार्ता में प्रगति और भारत-चीन संबंधों में नरमी जैसे घटनाक्रमों ने भी बाजार की धारणा को मजबूत किया है। वहीं वैश्विक स्तर पर एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 0.3 फीसदी गिरा, हांगकांग का हैंग सेंग 0.07 फीसदी नीचे रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 1 फीसदी ऊपर था। अमेरिका में टेक शेयरों में बिकवाली के चलते एसएंडपपी 500 और नेस्डैक में गिरावट रही, जबकि डाऊ जोंस लगभग स्थिर रहा।

दिसंबर तक सोना 3,600 डॉलर तक पहुंचने का अनुमान- वेंचुरा सिक्योरिटीज

- भारत में खुदरा निवेश और केंद्रीय बैंकों की खरीद से सोने की मांग मजबूत बनी रहेगी

नई दिल्ली । वेंचुरा सिक्योरिटीज ने अपने नवीनतम अनुमान में कहा है कि वैश्विक आर्थिक प्रतिकूलताओं, भू-राजनीतिक तनाव और मजबूत निवेश मांग के चलते दिसंबर 2025 तक कॉमेक्स सोने की कीमतें 3,600 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं। यह कीमत 7 अगस्त को रिकॉर्ड 3,534.10 डॉलर के उच्च स्तर के और भी ऊपर होगा। अमेरिका की कमजोर आर्थिक वृद्धि, अमेरिकी डॉलर सूचकांक पर दबाव, व्यापार तनाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिम सोने की कीमतों में अस्थिरता और वृद्धि का मुख्य कारण बने हैं। 2025 की दूसरी तिमाही में सोने की वैश्विक मांग 3 फीसदी बढ़कर 1,249 टन हो गई, जिसका मूल्य 132 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में 45 फीसदी अधिक है। विशेष रूप से, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेश प्रवाह काफी मजबूत रहा है। जून 2025 तक वैश्विक गोल्ड ईटीएफ होल्डिंग 16 फीसदी बढ़कर 3,616 टन हो गईं, जबकि प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 64 फीसदी बढ़कर 383 अरब डॉलर हो गईं। भारत में भी गोल्ड ईटीएफ का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें होल्डिंग 42 और निवेशक खाते 41 फीसदी बढ़े हैं। वेंचुरा के एक अे धिकारी ने कहा कि मुद्रास्फीति के दबाव, डॉलर की कमजोरी और फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के चलते सोने की कीमतों में निरंतर वृद्धि की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में खुदरा निवेश और केंद्रीय बैंकों की खरीद से सोने की मांग मजबूत बनी रहेगी। युवा पीढ़ी डिजिटल गोल्ड, ईटीएफ और आंशिक स्वामित्व जैसे नए निवेश विकल्पों को अपनाकर सोने में निवेश की दिशा बदल रही है, जबकि भौतिक आभूषणों की मांग भी बनी हुई है। ऐसे में सोने की कीमतों में बढ़ोतरी और निवेशकों की भागीदारी दोनों ही बढ़ने की उम्मीद है।

भारत पर अमेरिकी दबाव के बीच रूस बोला- तेल सौदा बचाने तैयार है खास तंत्र

नई दिल्ली ।

रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर दंडात्मक कार्रवाई करने की धमकी के बावजूद, रूस के पास इस चुनौती से निपटने के लिए एक विशेष तंत्र मौजूद है। बाबुश्किन ने यह बात एक संवाददाता सम्मेलन में कही, जहां उन्होंने भारत और रूस के बीच ऊर्जा, सैन्य उपकरण और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को मजबूती से जारी रहने की उम्मीद जताई। अमेरिका ने हाल ही में भारत के खिलाफ आयात शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत करने का फैसला किया है, जिससे भारत-अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। इस फैसले के तहत यदि भारत रूसी तेल खरीदना जारी रखता है, तो उसे भारी शुल्क देना पड़ सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी इस बात की चेतावनी दी थी कि ट्रंप प्रशासन भारत पर शुल्क बढ़ा सकता है। राजदूत बाबुश्किन ने अमेरिका के इस दबाव को अनुचित बताया और कहा कि रूस भारत का पसंदीदा साझेदार है, खासकर सैन्य उपकरणों की आपूर्ति में। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रतिबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत-रूस के बीच ऊर्जा सहयोग और भी मजबूत होगा और दोनों देश मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे। इस बयान से स्पष्ट है कि रूस भारत के साथ रणनीतिक संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और अमेरिका के दंडात्मक कदमों के बावजूद, दोनों देशों के बीच साझेदारी को कमजोर नहीं होने देगा। ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में यह सहयोग दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है और दोनों पक्ष इस रिश्ते को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

स्टारलिंक भारत में ग्राहकों के लिए आधार प्रमाणीकरण का करेगा इस्तेमाल

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपने उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब भारत में स्टारलिंक अपने ग्राहकों को जोड़ने से पहले उनके पहचान सत्यापन के लिए आधार' प्रमाणीकरण का उपयोग करेगी। इस संबंध में हाल ही में एक आधिकारिक बयान जारी किया गया। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, स्टारलिंक भारत में अपने ग्राहकों को जोड़ने के लिए आधार प्रमाणीकरण प्रक्रिया अपनाएगा। इससे ग्राहक सत्यापन की प्रक्रिया न केवल सुरक्षित होगी, बल्कि यह काफी सुगम और तेज भी हो जाएगी। आधार का उपयोग करने से कंपनी को ग्राहकों की असली पहचान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, जिससे धोखाधड़ी के मामलों में कमी आएगी। भारत में स्टारलिंक की उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा को पहले ही लाइसेंस मिल चुका है। कंपनी ने भारती एयरटेल और रिलायंस जियो जैसी बड़ी टेलिकॉम कंपनियों के साथ भी अपने नेटवर्क विस्तार के लिए करार किए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, स्टारलिंक भारत में लगभग 20 लाख से अधिक ग्राहकों को अपनी सेवा से जोड़ने की क्षमता रखती है।

यंग एक्ट्रेस के साथ काम करने पर बोले माधवन

एक्टर आर. माधवन ने हाल ही में अपनी उम्र, करियर के फैसलों और रिश्तों में बराबरी को लेकर खुलकर बात की। माधवन हाल ही में फिल्म आप जैसा कोई में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने 40 साल के एक ऐसे शख्स का रोल निभाया जो दुल्हन की तलाश में है। बातचीत में उन्होंने कहा, सबसे पहले आपको उम्र का एहसास तब होता है जब आपके बच्चों के दोस्त आपको अंकल बुलाने लगते हैं। ये सुनकर झटका लगता है, लेकिन फिर आपको मानना पड़ता है। माधवन ने बताया कि इस एहसास का असर उनके काम पर भी पड़ा। उन्होंने कहा, जब आप फिल्में करते हैं तो हीरोइन चुनने में सावधानी रखनी पड़ती है। क्योंकि भले ही वे अभी भी आपके साथ काम करना चाहती है, लेकिन ऐसा लगता है कि एक्टर फिल्म के बहाने मस्ती कर रहा है। लोगों को लगता है कि ये पिक्चर के बहाने ऐश कर रहा है। अगर फिल्म से ऐसा मैसेज जाता है, तो किरदार के लिए रिस्पेक्ट नहीं रहती। उन्होंने कहा आगे ये भी कहा, मुझे ये भी समझ आ गया है कि अब मेरा शरीर 22 साल के लड़के जैसा नहीं है। इसलिए मेरे लिए जरूरी है कि मैं वही काम करूं जो मेरी उम्र और जिन लोगों के साथ मैं काम कर रहा हूं, उनके हिसाब से सही लगे, ताकि चीजें अजीब या गलत न लगें।

माधवन ने अपनी शादी और रिश्ते की बराबरी पर भी विचार शेयर किए। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता भी एक-दूसरे से गहराई से प्यार करते थे। वही चीज मैं और मेरी पत्नी सरिता में भी है, लेकिन मेरे पिता के समय जो बराबरी का मतलब था, वह आज अलग है। अब हमें खुद तय करना पड़ता है कि बराबरी का असली मतलब क्या है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि कभी-कभी दरवाजा खोलना या किसी महिला के लिए दरवाजा पकड़ना कुछ लोगों को बुरा लग सकता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आदमी कुछ गलत करना चाहता है, वो तो बस अपने तौर-तरीके निभा रहा होता है। हमारी पितृसत्तात्मक सोच वाली समाज में, अगर कोई पति अपनी पत्नी को काम करने देता है तो उसे बड़ा दिल वाला माना जाता है, लेकिन सही तरीका ये है कि कहें- 'मुझे गर्व है कि मेरी पत्नी काम कर रही है।

एक चतुर नार के लिए झुग्गी झोपड़ी में रहीं दिव्या खोसला

अक्सर फिल्मी जगत में कई हस्तियां अपने किरदारों के लिए काफी मेहनत और तैयारी करते हैं। कोई अपनी बॉडी पर काम करता है तो कोई अपनी भाषा पर। अभिनेत्री दिव्या खोसला ने भी अपनी आने वाली फिल्म 'एक चतुर नार' के लिए कुछ ऐसा ही किया है, लेकिन उनकी रोल के लिए तैयारी ने थोड़ा चौंका दिया है। दरअसल दिव्या ने खुलासा किया है कि उन्होंने फिल्म के किरदार को समझने के लिए लखनऊ की एक झुग्गी में रहकर वहां की जिंदगी को महसूस किया।

किरदार में ढलने के लिए असली जिंदगी का अनुभव

'एक चतुर नार' में दिव्या एक झुग्गी में रहने वाली महिला की भूमिका निभा रही हैं। इस किरदार को असली बनाने के लिए उन्होंने केवल स्क्रिप्ट पर भरोसा नहीं किया, बल्कि खुद उस जिंदगी को जिया। लखनऊ की एक झुग्गी में बिना मेकअप, साधारण सलवार-कमीज और गले में काले धागे के साथ कुछ दिन बिताए, ताकि वह किरदार की भावनाओं और परिस्थितियों को गहराई से समझ सकें। अपने सोशल मीडिया पर उन्होंने इस अनुभव को साझा करते हुए लिखा, यह एक अनोखा और जीवन बदल देने वाला अनुभव रहा। इसने मुझे उस जीवन की झलक दिखाई, जो अक्सर हमारी आंखों से दूर होता है।

12 सितंबर को होगी रिलीज

'एक चतुर नार' को उमेश शुक्ला, आशीष वाघ और जीशान अहमद ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी अभी साझा नहीं की गई है, लेकिन फिल्म का टोन हल्का-फुल्का, चुटीला और शायद कुछ हद तक व्यंग्यात्मक भी नजर आ रहा है।

फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर आया सामने

फिल्म के पहले पोस्टर में दिव्या एक गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उनके हाथों में सब्जियां हैं और चेहरे पर एक मुस्कान। वहीं, नील नितिन मुकेश, जो इस फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं, फॉर्मल सूट में बंदूक थामे खड़े हैं। पोस्टर से ही साफ है कि यह फिल्म किसी गंभीर विषय को पर्दे पर लेकर आने वाली है।

आलिया भट्ट-शरवरी की फिल्म में नजर आएंगे बॉबी देओल

बॉलीवुड की मच अवेटेड फिल्म वॉर 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसके साथ ही यशराज फिल्म्स की एक और स्पाई यूनिवर्स की फिल्म को लेकर भी नई जानकारी सामने आ रही है। वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन में अभिनेता बॉबी देओल भी नजर आ रहे हैं। हालांकि ये कोई मामूली झलक नहीं बल्कि आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की अपकमिंग फिल्म अल्फा को लेकर बड़ा अपडेट रहा। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन का एक सीन वायरल हो रहा है, जिसमें बॉबी देओल की शक्ल साफ तौर पर देखी जा रही है। इस सीन में बॉबी देओल एक लड़की के हाथ पर एंजेसी का स्टैंप लगाते हुए नजर आ रहे हैं। जब लड़की उनसे पूछती हैं कि ये क्या है तो वो अल्फा का नाम लेते हैं।

नोरा फतेही का 'डांस विद नोरा' अकादमी खोलने का सपना हुआ साझा

ग्लोबल स्टार और परफॉर्मर नोरा फतेही ने इस हफ्ते अपने फैंस को एक यादगार तोहफ़ा दिया। 'ओह मामा! टेटेमा' सिंगर नोरा अचानक मुंबई के कई डांस स्टूडियोज़ में पहुँचीं और वहाँ मौजूद डांसर्स को उनके लेटेस्ट कोरियोग्राफी पर डांस करते देखकर भावुक हो गईं। उनकी इस अप्रत्याशित मौजूदगी ने साधारण वर्कशॉप को एक जादुई अनुभव में बदल दिया। फैंस के प्यार और उनकी कहानियाँ सुनकर नोरा ने पहली बार यह खुलासा किया कि वह अपनी खुद की 'डांस विद नोरा' अकादमी शुरू करना चाहती हैं। सोशल मीडिया पर इस अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने लिखा— यह मुझे जल्द से जल्द अपनी डांस विद नोरा अकादमी शुरू करने के लिए प्रेरित कर रहा है। आप सभी का इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया! आप सब से मिलकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली महसूस कर रही हूँ। नोरा के सरप्राइज़ विजिट के दौरान स्टूडियो का माहौल भावनाओं से भर गया। कुछ फैंस की आँखों में आँसू थे तो कुछ की मुस्कान में खुशी छलक रही थी। लोगों को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि उनकी फेवरेट स्टार उनके साथ स्टूडियो में डांस कर रही हैं। विशेष बात यह रही कि नोरा ने सिर्फ हाथ हिलाकर या सेल्फी देकर ही अपने फैंस को खुश नहीं किया, बल्कि खुद डांस वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया। बच्चों और युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर डांस किया और उनके व्यक्तिगत अनुभव भी सुने। यही जुड़ाव उन्हें औरों से अलग करता है। नोरा का 'डांस विद नोरा' कैंपेन पहले ही बच्चों और युवाओं को अपनी कला दिखाने का मंच दे चुका है। वह न सिर्फ उनकी वीडियोज़ को रीपोस्ट करके उन्हें प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि मौके पर पहुँचकर उनकी मेहनत को सराहती भी हैं। जहाँ एक ओर उनकी गाने 'ओह मामा! टेटेमा' की धूम दुनिया भर में मची हुई है और आने वाली फ़िल्म 'कंचना 4' से उनका करियर और बुलंदियों पर पहुँचने वाला है, वहीं मुंबई के वे स्टूडियो और वहाँ मौजूद फैंस के लिए असली जादू उनकी सादगी और अपनापन रहा।

चमत्कारों में विश्वास करती हूं

टीवी एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या जन्मदिन इस बार उनके लिए बेहद खास रहा, क्योंकि उन्होंने पहली बार अपने जुड़वां बच्चों, बेटे शौर्य और बेटी सिया, के साथ जश्न मनाया। श्रद्धा ने अपने परिवार के साथ इस खूबसूरत पल की तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कीं। श्रद्धा आर्या ने इंस्टाग्राम पर अपने पति और दोनों जुड़वां बच्चों के साथ बेहद ही प्यारी तस्वीरें शेयर कीं। श्रद्धा ने काली ऑफ-शोल्डर ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जबकि उनके पति राहुल नागल ने काली शर्ट और नीली जींस पहनी हुई है। दोनों अपने बच्चों के साथ कैमरे के सामने मुस्कुराते नजर आए। श्रद्धा ने लिखा, एक और साल बड़ी हो गई, लेकिन इस बार मेरा सबसे प्यारा नाम है – मां। मेरे जुड़वां बच्चे मेरे लिए सबसे बड़ा जश्न हैं।

श्रद्धा को सेलेब्स ने दी जन्मदिन की बधाई

श्रद्धा आर्या को कई सेलेब्स ने जन्मदिन की बधाई देते हुए कमेंट किए हैं। मीका सिंह ने लिखा, बधाई हो, मौनी रॉय ने दिल वाले इमोजी शेयर बनाए, पूजा बनर्जी ने लिखा, खूबसूरत बच्चे और खूबसूरत मां और माही विज ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मां। वहीं कई फैंस ने श्रद्धा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं और कुछ फैंस ने उनकी इस पोस्ट पर लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं।

श्रद्धा आर्या का निजी जीवन

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रद्धा की निजी जिंदगी की बात करें तो 2015 में उनकी सगाई जयंत रत्ती से हुई थी, लेकिन यह टूट गई। 2019 में उन्होंने आलम सिंह मक्कड़ के साथ रिश्ता शुरू किया, लेकिन वह भी ज्यादा समय नहीं चला। आखिरकार, 16 नवंबर 2021 को श्रद्धा ने भारतीय नौसेना अधिकारी राहुल नागल से शादी की। सितंबर 2024 में उन्होंने बताया कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं और 29 नवंबर 2024 को उनके जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ।

हर आदमी-औरत को एक-दूसरे की जरूरत है

टीवी शो कहीं तो होगा से ऐक्ट्रेस सुरवीन चावला ने करियर शुरू किया था। इसके बाद हेट स्टोरी-2, अग्ली जैसी फिल्मों से उन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी काबिलियत साबित की। वहीं, सेक्रेड गेम्स, क्रिमनल जस्टिस जैसी वेब सीरीज से उन्होंने ओटीटी पर अपना जलवा बिखेरा। इन दिनों वह अपनी एक और वेब सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर चर्चा में हैं। खास बातचीत में उन्होंने कई पहलुओं पर चर्चा की। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच परस्पर तालमेल बिठाकर चलने वाली अदाकारा ने इस मुलाकात में हमसे एक अच्छी मां की परिभाषा भी साझा की है।

मैंने इनकार करना भी सीखा है

कहते हैं ना कि इंसान कितनी भी कोशिश करे पर वही होता है, जो मंजूर-ए-खुदा होता है। हमारे प्लान से कोई फर्क नहीं पड़ता। आप लक्ष्य अपने दिमाग में रख सकते हैं लेकिन वहां पहुंचने के कई रास्ते हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सिर्फ एक ही तरह से मंजिल पर पहुंचा जाए। आप जो चीजें चुनते हो वो यह तय करती हैं कि आगे का रास्ता कैसा हो सकता है। मेरे कंट्रोल में जो चीजें हैं, उन पर ध्यान देती हूं। किसी भी काम के लिए हां, बोलना बेशक आसान होता है लेकिन मैंने इनकार करना भी सीख लिया है। मेरे हिसाब से ना बोलना बहुत ज्यादा मुश्किल होता है। वो ना आपने जो भी अब तक काम किया हुआ है, उसकी क्लास को दर्शाता है।

सुरवीन लगातार काम कर रही हैं। ऐसे में वह अपनी पर्सनल और प्रोफ्रेशनल लाइफ के बीच किस तरह तालमेल बैठा पा रही हैं? इस पर अदाकारा कहती हैं कि लगातार काम करके मुझे बहुत मजा आ रहा है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि अपने परिवार की वजह से बाहर आकर काम कर पाती हूं। कहते हैं ना कि हर आदमी-औरत को एक-दूसरे की जरूरत होती है। हमारे साथ भी वही है। हम दोनों एक-दूसरे के सपोर्ट से आराम से काम कर पा रहे हैं।

आप जो करेंगे, बच्चा भी वही करेगा

हर मां अपने आप में अच्छी है लेकिन मैं मदरहुड से ज्यादा पैरंटहुड की बात करूंगी क्योंकि मुझे लगता है कि अपने बच्चे को हम सीख समझा-बुझा कर नहीं दे सकते। इसके लिए आपको उदाहरण सेट करना पड़ता है। आप जैसा लोगों के साथ बर्ताव करेंगे, बच्चा भी वही करेगा। आपकी आदतों को भी वो वैसे ही फॉलो करेगा। अगर मैं खुद को ही हमेशा पीछे रखूंगी तो वो भी तो मेरा बच्चा देखेगा ना। इसका भी असर उस पर पड़ेगा।

पत्नी और मां से पहले एक इंसान हूं

अगर अपनी जरूरतों को पूरा नहीं करूंगी तो नाखुश रहूंगी। मैं यही मानती हूं कि जो इंसान खुद खुश है, वो ही दूसरों को भी खुशी दे सकता है। एक पत्नी, एक मां से पहले मैं भी एक इंसान हूं तो यह जरूरी नहीं कि मैं इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही हमेशा कुछ सोचूं। बतौर सुरवीन भी तो मैं बहुत कुछ सोच सकती हूं ना।

हर बार अलग करने की कोशिश रहती

पर्दे पर इस रूप, रंग और अंदाज में मुझे पहले कभी नहीं देखा गया है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार कुछ अलग लेकर आऊं। गोपी पुथरण सर (लेखक निर्देशक) की फिल्म मर्दानी बहुत पसंद थी। वह अपने प्रोजेक्ट में औरतों को सशक्त रूप में पेश करते हैं। उनकी कहानियों में महिलाओं को पावरफुल रोल्स ही मिलते हैं। यह पहला मौका है, जब मैं किसी पॉलिटिशियन का किरदार निभा रही हूं। अनन्या भारद्वाज बहुत ही महत्वाकांक्षी महिला है, जो कि बहुत कुछ करना चाहती है। उस किरदार को मैं ब्लैक एंड वाइट तो नहीं बोल सकती लेकिन वह पूरी तरह से ग्रे भी नहीं है। उसमें विविध रंग देखने को मिलेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in